साप्ताहिक
# शहर सत्ता
PRGI NO. CTHIN/25/A2378
सोमवार, 14 सितंबर से 20 सितंबर 2026
हम दिखाएंगे आईना...

पेज 05
पीएम मोदी
के 25 साल

पेज 08
गणेशमय हुई
राजधानी

वर्ष : 02 अंक : 28 पृष्ठ : 08 मूल्य : 5 रुपए www.shaharsatta.com

पेज 04 खुरचन : गणपति बप्पा... थोड़ी सद्बुद्धि इधर भी !

# 'ढाल' साहेब बने दाऊ जी के 'ढाल'

- भूपेश दाऊ ने बिछा दी है अभी से चुनावी बिसात
- भाजपा के साथ पार्टी के विरोधियों पर भी निशाना
- अभी प्रदेश में 10 एससी सीट में 6 कांग्रेस के पास है
- पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की चुनौती का माकूल जवाब
- ढाल साहेब के कांग्रेस प्रवेश से दूर रहे पार्टी दिग्गज

## केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह के छग. प्रवास के दौरान भाजपाई मंत्री के भाई के कांग्रेस प्रवेश से गरमाई सूबाई सियासत

**शहर सत्ता/रायपुर।** छत्तीसगढ़ की राजनीति में 11 सितंबर 2026 को एक बड़ा उलटफेर हुआ जब सतनामी समाज के धर्मगुरु गुरु बालदास के बड़े बेटे और भाजपा सरकार में कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब के बड़े भाई गुरु ढाल दास साहेब (ढाल साहेब) आधिकारिक रूप से कांग्रेस में शामिल हो गए। भाजपा संगठन के अलावा छत्तीसगढ़ में कांग्रेस से सिर्फ पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल चुनाव मोड पर है। भाजपा तो सत्ता, संगठन की मजबूती और धनबल के अलावा सत्ता संपन्न है। प्रदेश कांग्रेस की राजनीति में अभी से अपने पक्ष में चुनावी समीकरण बनाते सिर्फ भूपेश बघेल ही दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने इसका एलान अपने ही अंदाज में कर भाजपा के नाराज नेताओं को खुश और पार्टी में अपने विरोधियों को हथप्रभ कर दिया है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की चुनौती का यह जवाब माना जा रहा है। स्पष्ट शब्दों में कहें तो भूपेश अपने विरोधियों और मुख्यमंत्री पद के संभावित दावेदारों को ठिकाने लगाने वाली सियासत शुरू कर दिए हैं।

कांग्रेस के दिग्गज नेता जब आराम फार्मा रहे थे तब भूपेश बघेल छत्तीसगढ़ सरकार में मंत्री गुरु खुशवंत साहेब के बड़े भाई गुरु ढाल साहेब का कांग्रेस प्रवेश करवा रहे थे। ढाल साहेब सतनाम सेवा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष है। साथ ही सतनामी समाज के बड़े धर्मगुरु हैं। बता दें कि प्रदेश में सतनामी समाज के लिए 10 विधानसभा सीट आरक्षित है जिसमें से 6 कांग्रेस के पास है और चार सीट पर भाजपा के विधायक हैं। गुरू ढाल साहेब ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के आवास पर आयोजित तीज कार्यक्रम में कांग्रेस का दामन थामा। जिस समय ढाल साहेब कांग्रेस प्रवेश कर रहे थे ठीक उसी समय उनके भाई गुरु खुशवंत 'सक्ति' में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह के साथ एक कार्यक्रम में पीएम आवास का घर बांट रहे थे। उनके इस कांग्रेस प्रवेश कार्यक्रम को लेकर राजनीतिक हलकों में यह चर्चा तेज है कि इस महत्वपूर्ण घटनाक्रम के दौरान कांग्रेस पार्टी के कई दिग्गज नेता कार्यक्रम से नदारद रहे:भूपेश बघेल की मुख्य भूमिका: ढाल साहेब का कांग्रेस प्रवेश पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के रायपुर स्थित आधिकारिक निवास पर हुआ। भूपेश बघेल ने ही खुद उन्हें कांग्रेस का गमघा पहनाकर पार्टी की प्राथमिक सदस्यता दिलाई।

**मुख्य संवाददाता/प्रदीप चंद्रवंशी**
**मोबाईल नंबर 7000681023**

अतिष्योक्ति नहीं कि दाऊ, किसान, कका और कांग्रेस की प्रदेश राजनीति का एकमात्र चमकता सितारा हैं भूपेश बघेल। ओबीसी वर्ग के अव्वल दर्जे के नेता भी हैं और विपरीत परिस्थितियों में पूरे पांच वर्षों तक मुख्यमंत्री बने रहने का रिकार्ड भी। ओबीसी वर्ग में अच्छी पकड़ के साथ अब उनकी एससी वर्ग को साधने की सियासत भी चर्चा में है। वैसे भी कांग्रेसी सियासत में वर्ग राजनीति करने और समझने वाला ही मुख्यमंत्री पद हासिल करता है। विष्णुदेव साय सरकार के मंत्री गुरु खुशवंत साहिब के बड़े भाई गुरु ढाल साहेब का कांग्रेस प्रवेश करवाकर भूपेश ने अपनी चुनावी बिसात बिछा दी है। चुनावी मोड में आ गए दाऊ जी ने मंत्री गुरु खुशवंत साहिब के बड़े भाई और सतनाम सेवा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गुरु ढाल साहब के अलावा प्रदेश युवक कांग्रेस में सत्येंद्र चेलक को ला कर विरोधियों को जता दिया है कि 'कका अभी जिंदा है।'

### मंच में नहीं दिखे बैज, महंत, सिंहदेव, डहरिया ?

कांग्रेस प्रवेश जब हो रहा था तब सिर्फ पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ही प्रसन्न मुद्रा में दिखाई दिए। हमेशा से राजनीतिक पार्टी में प्रवेश का कार्यक्रम जब भी होता है तो पार्टी दिग्गज भी होते हैं। लेकिन ढाल साहेब के कांग्रेस प्रवेश के समय सिर्फ भूपेश ही थे और पार्टी के दिग्गज नेता नदारद रहे। मंच पर ना ही नेताप्रतिपक्ष चरणदास महंत, पूर्व उप-मुख्यमंत्री टाइस सिंहदेव, पूर्व मंत्री और एससी नेता शिव डहरिया समेत प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज दिखाई दिए। वैसे तो कांग्रेस में दिग्गज नेताओं के आपसी रिश्तों की गर्माहट कितनी है यह सभी जानते हैं। लेकिन बिना किसी हो-हल्ला के अचानक इस तरह के कांग्रेस प्रवेश का कार्यक्रम वो भी भाजपा शासनकाल में प्रदेश की आने वाली सियासी उठा-पटक की और इशारा कर रही है। इस बड़े सियासी घटनाक्रम के दौरान प्रदेश कांग्रेस कमेटी (PCC) के अध्यक्ष दीपक बैज या संगठन के कई अन्य शीर्ष स्तर के दिग्गजों की भौतिक रूप से मंच या तस्वीरों में अनुपस्थिति को लेकर राजनीतिक गलियारों में अटकलें लगाई जा रही हैं। हालांकि, अगले ही दिन पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने बयान जारी कर ढाल दास के प्रवेश को सिर्फ एक "टेलर" बताया और कहा कि अभी भाजपा के कई अन्य नाराज नेता कांग्रेस में आने की तैयारी में हैं।

### प्रतिस्पर्धी नेता चिंतित, भाजपाई प्रसन्न

भूपेश बघेल ने ढाल साहेब को कांग्रेस प्रवेश कराकर न सिर्फ कांग्रेस नेताओं की चिंता बढ़ाई है, बल्कि भाजपा नेताओं को खुश होने का मौका भी दिया है। सबसे पहले बात कांग्रेस नेताओं की चिंता की कर लेते हैं। आरंग विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के सतनामी समाज के दो बड़े नेता शिव डेहरिया और रुद्र गुरु आते हैं। शिव डहरिया सामाजिक स्तर पर काफी प्रभावशाली हैं और अगर कांग्रेस पार्टी सतनामी समाज से किसी को मुख्यमंत्री प्रोजेक्ट कर सकती है तो शिव डहरिया उसमें सबसे आगे हैं। भूपेश बघेल जब प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष थे उस समय शिव डहारिया कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में विराजमान थे। बाद में कांग्रेस की सरकार बनने पर उनको मंत्री भी बनाया गया। ढाल साहेब को कांग्रेस में प्रवेश कर के भूपेश बघेल ने शिव डहरिया की चुनावी यात्रा को कठिन बना दिया है।

### 'दो साधे सब सधे' वाला दाऊ का फार्मूला गजब

आरंग से ही रूद्र गुरु चुनाव लड़ते रहे हैं उसके साथी सामाजिक रूप से काफी प्रभावशाली हैं। उनके पिता विजय गुरु मध्य प्रदेश के समय विधायक और राज्य मंत्री भी रह चुके हैं। ऐसे में रुद्र गुरु का भी सामाजिक और राजनीतिक प्रभाव है। कांग्रेस अगर एससी वर्ग से किसी युवा को मुख्यमंत्री प्रोजेक्ट कर सकती है तो रूद्र गुरु का नाम प्रमुखता से दर्ज होगा। आरंग की राजनीति पर भूपेश बघेल ने एक और अटैक किया है। युवाक कांग्रेस के चुनाव में आरंग से आने वाले सत्येंद्र चेलक को बघेल का समर्थन हासिल है। ऐसे में अगर चेलक प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव जीत जाते हैं तो वह विधानसभा टिकट के दावेदार भी हो सकते हैं ऐसे में सत्येंद्र चेलक और ढाल सिंह भूपेश बघेल के लिए ताकतवर हथियार बन सकते हैं। विधायक देवेंद्र से दूरियां बढ़ते ही उसका विकल्प चेलक है।

### भाजपाई खुश, रख सकेंगे संगठन में अपनी बात

अब बात करते हैं भाजपा नेताओं की खुशी की पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस से आए गुरु खुशवंत को भाजपा ने टिकट दिया और बड़े मतों के अंतर से गुरु खुशवंत ने जीत दर्ज की अभी वर्तमान में सरकार में मंत्री है ऐसे में उनके भाई के कांग्रेस प्रवेश करने से भाजपा नेता अंदरूनी तौर पर खुश नजर आ रहे हैं आराम से पूर्व विधायक और वर्तमान में प्रदेश महामंत्री नवीन मार्कंडेय पूर्व मंत्री गंगूराम बघेल की बेटी किरण बघेल और संजय ढीढी जैसे नेता काफी सक्रिय है, लेकिन दूसरी पार्टी से आए नेता को टिकट देने के बाद भी वह खामोश बैठे हैं। अब गुरु खुशवंत के भाई के कांग्रेस प्रवेश करने के बाद इन नेताओं की ताकत बढ़ेगी और खुलकर पार्टी संगठन में असंतुष्ट अपनी बात रखेंगे और बाहरी पार्टियों से आने वाले नेताओं को टिकट नहीं देने की मांग भी करेंगे।

### गुरु ढाल साहेब की चुनावी महत्वाकांक्षा

कांग्रेस में शामिल होते ही ढाल साहेब ने मुंगेली विधानसभा क्षेत्र (अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सीट) से अगला चुनाव लड़ने की अपनी प्रबल इच्छा खुलकर व्यक्त कर दी है। चूंकि यह प्रवेश सीधे पूर्व सीएम भूपेश बघेल के निवास पर उनके द्वारा ही संपन्न कराया गया, इसलिए इसे पूरी तरह भूपेश बघेल का एक बड़ा 'मास्टरस्ट्रोक' और सतनामी वोट बैंक को वापस कांग्रेस के पाले में लाने की एक बड़ी रणनीतिक कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है

## बूथ स्तर तक टोलियों का गठन करेगी भाजपा, अभियान की रणनीति तैयार

**शहर सत्ता/रायपुर।** भाजपा तिल्दा शहर मंडल की ओर से शनिवार को नेवरा स्थित भाजपा कार्यालय में 'सेवा संकल्प अभियान' की कार्यशाला एवं मंडल कार्यसमिति की बैठक हुई। प्रदेश एवं जिला संगठन के निर्देश पर आयोजित कार्यशाला में अभियान के तहत बूथ स्तर तक सेवा, सामाजिक और जनसरोकार से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करने की रूपरेखा तय की गई। मुख्य वक्ता अंजय शुक्ला ने कार्यकर्ताओं को अभियान की जिम्मेदारियों की जानकारी दी। उनके साथ मंडल प्रभारी अरविंद सिंह ठाकुर एवं अनिल अग्रवाल ने भी मार्गदर्शन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सरकार के मुखिया के रूप में 25 वर्ष के सेवाकाल को पूर्ण करने के उपलक्ष्य में उनके जन्मदिवस 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक 'सेवा संकल्प अभियान' चलाया जाएगा। कार्यशाला में बताया गया कि अभियान के तहत 13 अलग-अलग कार्यक्रम मंडल से लेकर बूथ स्तर तक आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रमों के प्रभावी संचालन के लिए मंडल स्तर पर विभिन्न टोलियों का गठन किया गया है। मुख्य वक्ता अंजय शुक्ला ने कहा कि भाजपा का संगठन केवल राजनीतिक गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि सेवा और जनसरोकार उसके कार्यों का महत्वपूर्ण आधार है। अभियान को मंडल स्तर तक सीमित न रखते हुए बूथ स्तर तक प्रभावी रूप से पहुंचाना है। प्रत्येक बूथ का कार्यकर्ता स्थानीय स्तर पर सेवा एवं जनहित के कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करे।

## नेशनल लोक अदालत में दो पक्षों के झगड़े में समझौता

**शहर सत्ता/रायपुर।** साल 2026 की तीसरी राष्ट्रीय लोक अदालत शनिवार को रायपुर में आयोजित हुई। इसमें कोर्ट में चल रहे मामलों के साथ ऐसे विवाद भी सुलझाए गए, जिन्हें दोनों पक्षों की आपसी सहमति से खत्म किया जा सकता था। लोक अदालत में कुल 14 लाख 97 हजार 744 मामलों का निराकरण हुआ। वहीं, पक्षकारों को कुल 1 अरब 3 करोड़ 13 लाख 61 हजार 484 रुपए का लाभ मिला। लोक अदालत में रिश्तों से जुड़े विवाद भी सुलझाए गए। 2021 से पिता और बेटे के बीच चल रहा पैतृक संपत्ति का विवाद समझाइश के बाद खत्म हो गया। दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से विवाद खत्म करने पर राजी हो गए। वहीं दो पक्षों के विवाद में भी दोनों पक्षों को समझाइश दी गई कि धर्म से ऊपर मानवता है। इसके बाद दोनों पक्षों ने आपसी राजीनामा कर लिया और खुशी-खुशी घर लौट गए। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी प्रज्ञा सिंह की अदालत में दो पक्षों के बीच विवाद चल रहा था। दोनों पक्ष इसलिए समझौता नहीं कर रहे थे, क्योंकि विवाद धार्मिक था। कोर्ट ने दोनों को समझाया कि सभी धर्म समान हैं और मानवता से बड़ा कोई धर्म नहीं है। समझाइश के बाद दोनों पक्ष आपसी राजीनामे के लिए तैयार हो गए। उन्होंने समझौता किया और खुशी-खुशी अपने घर लौट गए।

## गणेश चतुर्थी समेत 5 पर्वों पर मांस-मटन की बिक्री बंद

**शहर सत्ता/रायपुर।** गणेश चतुर्थी और जैन समाज के पर्युषण पर्व समेत पांच प्रमुख पर्वों को देखते हुए रायपुर नगर निगम ने शहर में मांस-मटन की बिक्री पर पूरी तरह रोक लगाने का आदेश जारी किया है। निगम क्षेत्र में निर्धारित तिथियों पर पशुवध गृह और मांस-मटन की सभी दुकानें बंद रहेंगी। होटल और अन्य स्थानों पर भी मांस-मटन बेचने की अनुमति नहीं होगी। यह आदेश महापौर मीनल चौबे के निर्देश पर नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी किया गया है। निगम ने साफ किया है कि प्रतिबंध वाले दिन अगर किसी होटल या अन्य स्थान पर मांस-मटन की बिक्री होती मिली तो मौके पर ही सामान जब्त कर संबंधित व्यक्ति या संस्था के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

# 30 सितंबर तक घर नहीं बनाया तो अटक सकती है सरकारी मदद

## हितग्राहियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है

**शहर सत्ता/रायपुर।** प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 1.0 के तहत अधूरे पड़े मकानों को पूरा करने के लिए हितग्राहियों के पास अब महज कुछ दिन शेष हैं। शासन ने प्रगतिरत आवासों का निर्माण पूरा करने के लिए 30 सितंबर 2026 तक की समय-सीमा तय की है। निर्धारित अवधि तक आवास का निर्माण पूरा नहीं होने की स्थिति में अपूर्ण आवासों के लिए राज्य शासन की ओर से वित्तीय सहायता उपलब्ध नहीं कराई जाएगी। ऐसे में योजना के तहत निर्माण कार्य पूरा नहीं करने वाले हितग्राहियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

### अधूरे मकानों का किया निरीक्षण

इसी सिलसिले में नगर पालिका सीएमओ नारायण साहू ने नगर पालिका क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आवासों की प्रगति, निर्माण की गुणवत्ता और मौके पर वास्तविक स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान संबंधित आवासों के निर्माण की स्थिति देखी गई और हितग्राहियों को तय समय-सीमा के भीतर निर्माण पूरा करने की समझाइश दी गई। सीएमओ ने अधिकारियों और कर्मचारियों को भी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखने तथा शासन की गाइडलाइन का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने योजना के तहत चल रहे आवास निर्माण कार्यों की स्थिति का मौके पर निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

### इन हितग्राहियों के आवासों का निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान वार्ड क्रमांक 17 में मनोज कुमार लहरे, गिरजा बाई, संगीता निषाद और गंगोत्री मल्हा के आवासों का निरीक्षण किया गया। इसके अलावा वार्ड क्रमांक 9 में प्रतिमा पारधी तथा वार्ड क्रमांक 18 में यशोदा सोनवानी के आवास का भी निरीक्षण किया गया। इन सभी हितग्राहियों को 30 सितंबर 2026 तक अधूरे मकानों का निर्माण पूरा करने की समझाइश दी गई। उन्हें निर्धारित समय-सीमा का ध्यान रखते हुए आवास निर्माण कार्य पूरा करने के लिए कहा गया।

### समय पर मकान पूरा नहीं हुआ तो राशि वापसी की कार्रवाई

शासन की ओर से तय समय-सीमा के अनुसार निर्धारित अवधि तक आवास पूर्ण नहीं होने की स्थिति में शासन द्वारा दी गई राशि की वापसी की कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी। यानी जिन हितग्राहियों के आवास अभी भी अधूरे हैं, उन्हें तय समय-सीमा के भीतर निर्माण पूरा करना होगा। वहीं, प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 1.0 के तहत अप्रारंभ आवासों के हितग्राहियों के नाम विलोपित किए जाने के निर्देश भी दिए गए हैं। ऐसे में योजना के तहत प्रगतिरत आवासों को समय-सीमा के भीतर पूरा करने पर जोर दिया जा रहा है।

## गणेशोत्सव समितियों को बेवजह परेशान न करें अधिकारी: अरुण साव

**शहर सत्ता/रायपुर।** गणेश उत्सव को लेकर समितियों को अनुमति और दूसरी औपचारिकताओं के लिए होने वाली परेशानियों पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि गणेश उत्सव समितियों को अनावश्यक प्रक्रिया में न उलझाया जाए और जरूरी औपचारिकताएं पूरी कराने में अधिकारी उनका सहयोग करें। डिप्टी सीएम ने अधिकारियों से कहा कि समितियों के साथ समन्वय बनाकर काम किया जाए। आयोजन के लिए जो औपचारिकताएं जरूरी हैं, उन्हें समय पर पूरा कराया जाए, ताकि समितियों को बार-बार दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें।

अरुण साव ने कहा कि गणेश उत्सव प्रदेशभर में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। बड़ी संख्या में समितियां सार्वजनिक स्थानों पर गणेश प्रतिमा स्थापित कर आयोजन करती हैं। ऐसे में प्रशासन की भूमिका समितियों को सुविधा देने और व्यवस्था बनाए रखने की होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जरूरी नियमों और सुरक्षा व्यवस्था का पालन कराते हुए समितियों को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए। किसी प्रक्रिया की जरूरत हो तो समिति के सदस्यों से चर्चा कर उसे पूरा कराया जाए। डिप्टी सीएम ने प्रदेशभर की गणेश उत्सव समितियों से कहा कि उन्हें किसी तरह की परेशानी होने पर संबंधित अधिकारियों से संपर्क करना चाहिए।

# भाजपा सरकार क्या तारा में कोल उत्खनन नहीं होने देंगे? - कांग्रेस

**शहर सत्ता/रायपुर।** तारा कोल ब्लॉक नीलामी के संदर्भ में भाजपा द्वारा यह कहना कि अभी केवल खदान की नीलामी हुई है पर्यावरण स्वीकृति तथा अन्य अनुमति बची है, बचकाना तर्क है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि प्रदेश की जनता को बेवकूफ बनाने वाला तर्क है क्या भाजपा सरकार इस बात की गारंटी लेगी की राज्य सरकार तारा कोल माइंस की पर्यावरण स्वीकृति के लिए सहमति नहीं देगी? क्या राज्य सरकार वहां कोयला उत्खनन नहीं होने देने की गारंटी लगी?

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि जिस भाजपा सरकार ने स्वयं कोल ब्लॉक नीलामी के लिए केंद्र को पत्र लिखा हो वही आगे की अनुमति नहीं देगी, इस पर विश्वास नहीं किया जा सकता। राज्य सरकार के कारण ही तारा कोल ब्लॉक की नीलामी भी हुई है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि हसदेव अरण्य क्षेत्र के तारा कोल ब्लॉक की नीलामी के लिए साय सरकार ने कोयला मंत्रालय को पत्र लिखा था। यह पत्र 11 दिसंबर 2025 को साय सरकार ने लिखा था जबकि कांग्रेस की भूपेश सरकार ने 23 जून 2023 को तारा सहित 9 कोल ब्लाको को नीलामी से अलग रखने के लिए पत्र लिखा था।

भाजपा बताये कि उनकी सरकार ने तारा कोल ब्लॉक नीलामी के लिए अनुशंसा क्यों किया था? प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि ने कहा कि तारा कोल ब्लाक लगभग 5000 एकड़ क्षेत्र में फैला है, जिसमें से 4000 एकड़ से अधिक घना जंगल है। इसके लिए 10 लाख से अधिक पेड़ों को पूरी तरह काट दिया जाएगा। लेमरू एलीफेंट रिजर्व के चारों ओर खनन होगी, जिससे भारत के राष्ट्रीय धरोहर पशु हाथी के आवाजाही के रास्ते पर गंभीर असर पड़ेगा, जबकि हाथियों की संख्या में कमी का संकट पहले से ही बना हुआ है।

# बिजली का निजीकरण जनता के साथ विश्वासघात है: वंदना

**शहर सत्ता/रायपुर।** बिजली के निजीकरण की तैयारी जनता के साथ विश्वासघात है। प्रदेश कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार ने बिजली के दाम बढ़ाकर, 400 यूनिट तक मिलने वाली राहत को खत्म कर और स्मार्ट मीटर के नाम पर आम जनता पर अतिरिक्त बोझ डालने के बाद अब बिजली व्यवस्था को निजी हाथों में सौंपने की तैयारी शुरू कर दी है। जनता के खून-पसीने की कमाई से खड़ी की गई बिजली कंपनी को बेचने और निजी कंपनियों को बिजली सप्लाई का ठेका देने की सरकार की तैयारी छत्तीसगढ़ की जनता के हितों के साथ सीधा विश्वासघात है।

प्रदेश कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि पहले मंत्रिमंडल में विद्युत कंपनी के शेयर बेचने का फैसला लिया गया और अब निजी कंपनी को बिजली सप्लाई का ठेका देने की तैयारी की जा रही है। जब सरकारी बिजली कंपनी प्रदेश की जनता को बिजली उपलब्ध करा रही है तो उसे कमजोर कर निजी कंपनियों को फायदा पहुंचाने की जरूरत क्यों पड़ रही है? कांग्रेस स्पष्ट रूप से कहना चाहती है कि हर परिवार, किसान, मजदूर और छोटे व्यवसाय की बुनियादी जरूरत है। बिजली व्यवस्था का निजीकरण हुआ तो इसका सीधा असर आम उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ेगा और भविष्य में बिजली के दाम बढ़ने का रास्ता और आसान हो जाएगा। प्रदेश कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि सरकार पहले ही बिजली के दाम बढ़ा चुकी है।

400 यूनिट तक मिलने वाली राहत को खत्म किया जा चुका है। स्मार्ट मीटर के नाम पर उपभोक्ताओं की चिंता बढ़ी है। अब सरकारी बिजली व्यवस्था को निजी हाथों में सौंपने की तैयारी इस बात का संकेत है कि सरकार की प्राथमिकता जनता को सस्ती बिजली देना नहीं, बल्कि निजी कंपनियों को लाभ पहुंचाना है। प्रदेश कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि कांग्रेस इस फैसले का पुरजोर विरोध करती है।

## अन्यतम शुक्ला AAP की राष्ट्रीय टीम में शामिल

**शहर सत्ता/रायपुर।** आम आदमी पार्टी ने 21 राज्यों में सोशल मीडिया कोऑर्डिनेटरों की नियुक्ति की है। छत्तीसगढ़ में पार्टी के सोशल मीडिया विभाग के प्रदेश अध्यक्ष अन्यतम शुक्ला को भी बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। उन्हें छत्तीसगढ़ का सोशल मीडिया कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया गया है। पार्टी के मुताबिक, सोशल मीडिया के जरिए संगठन के अभियानों और पार्टी के मुद्दों को जनता तक पहुंचाने में उनकी भूमिका रही है। अब नई जिम्मेदारी के तहत वे प्रदेश में काम करने के साथ ही पार्टी की राष्ट्रीय सोशल मीडिया टीम के साथ भी समन्वय करेंगे। पार्टी की ओर से दी गई जिम्मेदारी ऐसे समय में आई है, जब राजनीतिक दलों के लिए सोशल मीडिया चुनावी और संगठनात्मक गतिविधियों का अहम माध्यम बन चुका है। आप की ओर से अलग-अलग राज्यों में सोशल मीडिया टीम को मजबूत करने के साथ पार्टी के अभियानों को डिजिटल माध्यमों से ज्यादा प्रभावी तरीके से लोगों तक पहुंचाने पर जोर दिया जा रहा है। नियुक्ति के बाद अन्यतम शुक्ला ने पार्टी नेतृत्व का आभार जताया।

# शिक्षा के मंदिर को 'सेवा संकल्प' के नाम पर भाजपा का चुनाव कार्यालय न बनाएं: बैज

**शहर सत्ता/रायपुर।** रायपुर। 'सेवा संकल्प अभियान' के नाम पर प्रदेश के स्कूल शिक्षा विभाग, सभी जिला शिक्षा अधिकारी और ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों द्वारा जारी सरकारी फरमान को शिक्षा व्यवस्था पर सीधा हमला बताते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि कांग्रेस पार्टी इस जनविरोधी और बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले आदेश की कड़े शब्दों में निंदा करती है और सरकार से इसे तत्काल वापस लेने की मांग करती है। छत्तीसगढ़ की साय सरकार अपनी प्रशासनिक नाकामी और केंद्र के झूठे दावों को छुपाने के लिए अब राज्य के मासूम स्कूली बच्चों, शिक्षकों और अभिभावकों को राजनीतिक प्रोपोगंडा में झोंक रही है। भाजपा नेताओं के पास अपनी उपलब्धि बताने के लिए कुछ है नहीं तो अब पढ़ाई छोड़ स्कूली बच्चों और शिक्षकों से गली मोहल्लों में झूठा प्रचार कराना चाहते हैं।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने सरकार और प्रशासन से सवाल करते हुए कहा है कि क्या अब छत्तीसगढ़ के स्कूलों का इस्तेमाल पढ़ाई के लिए नहीं, बल्कि भाजपा के राजनीतिक प्रचार के लिए होगा? शिक्षकों का काम बच्चों को पढ़ाना है या भाजपा सरकार के आयोजनों के लिए भीड़ जुटाना? जर्जर स्कूल भवनों, छात्रावास और शिक्षकों की कमी से जूझ रहे विभागों के पास इस राजनीतिक इवेंट के लिए फंड कहाँ से आ रहा है? क्या बच्चों और अभिभावकों पर राजनीतिक कार्यक्रमों में शामिल होने का दबाव बनाना उनके मौलिक अधिकारों का हनन नहीं है?

अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए मासूम नौनिहालों को ढाल बनाना क्या भाजपा की नीति और नियत को उजागर नहीं करता? सरकार बच्चों को राजनीतिक एजेंडे में धकेल रही है। हम किसी भी हाल में हमारे छत्तीसगढ़ के नौनिहालों का भविष्य भाषणबाजी की बलि नहीं चढ़ने देंगे। बच्चों का काम पढ़ना है, भाजपा का झूठा प्रचार सुनना और सुनाना नहीं।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि अगर जागरूकता फैलानी है तो गिरती शिक्षा व्यवस्था, बार-बार हो रहे पेपर लीक, अनाप-शनाप फीस बढ़ोत्तरी, बेरोजगारी और छात्रवृत्ति के बकाए पर श्वेतपत्र जारी करें, बच्चों की क्लास क्यों बंद करवा रहे हैं? केंद्र की मोदी सरकार ने विगत 10 वर्षों में 94 हजार से अधिक सरकारी स्कूलों को बंद किया है, छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार ने पिछले एक साल में 10463 स्कूल बंद किए हैं, सभी सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के न्यूनतम पदों की संख्या में कटौती करके 54 हजार से ज्यादा नियमित शिक्षकों के पदों को समाप्त कर दिया है, नई भर्ती रोक रखी है, 260 स्कूल शिक्षक विहीन हैं, 12 हजार से अधिक स्कूल एकल शिक्षक के भरोसे छोड़ दिया गया है।

स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट स्कूलों को बर्बाद कर दिया गया है, सरकारी स्कूल की छतें टपक रही है, शौचालय उपयोग के लायक नहीं रहे, किताब, कापी, गणवेश और छात्रवृत्ति दे नहीं पा रहे लेकिन सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करके राजनैतिक इवेंट करना इतना जरूरी हो गया है कि बच्चों और अभिभावकों पर अनिवार्य उपस्थिति तथा प्रोपेगैंडा में शामिल होने का प्रशासनिक दबाव बनाया जा रहा है। शिक्षा का मंदिर भाजपा का चुनाव कार्यालय नहीं है, 'सेवा संकल्प' के नाम पर नौनिहालों का शोषण बंद करे सरकार।

# स्मार्ट मीटर की अनिवार्यता डबल इंजन सरकार की जनता को लूटने का लाइसेंस

## स्मार्ट मीटर के नाम पर बिजली उपभोक्ताओं की जेब पर डाका डालना बंद करे

**शहर सत्ता/रायपुर।** प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार द्वारा स्मार्ट मीटर को अनिवार्य करना तुगलकी फरमान है। ये जनता के हित में नहीं, बल्कि बिजली उपभोक्ताओं की जेब पर खुली लूट का लाइसेंस देने जैसा है। सरकार स्मार्ट मीटर को आधुनिक व्यवस्था और पारदर्शिता का नाम देकर अपनी नाकामियों और मनमानी को छिपाने की कोशिश कर रही है। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि जब सामान्य मीटर से बिजली की खपत की रीडिंग हो रही है, तो फिर स्मार्ट मीटर लगाने की अनिवार्यता क्यों? सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि स्मार्ट मीटर लगाकर उपभोक्ताओं से वास्तविक खपत क्यो छिपाई जा रही है? प्रदेश में पहले ही बिजली की बढ़ी दरों और भारी-भरकम बिलों से जनता परेशान है।

अब स्मार्ट मीटर के नाम पर उपभोक्ताओं के ऊपर एक और बोझ डाला जा रहा है। जिस स्मार्ट मीटर की रीडिंग और सामान्य टेस्ट मीटर की रीडिंग में अंतर सामने आ रहा है, वह सरकार की स्मार्ट मीटर व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा सरकार को बिजली कंपनियों और स्मार्ट मीटर के पीछे छिपकर जनता से वसूली को सह दे रही है? भाजपा जिस हिसाब से स्मार्ट मीटर का बचाव कर रही है दाल में कुछ काला नही बल्कि पूरी दाल काली है। स्मार्ट मीटर कम्पनी से भाजपा का कोई बड़ा डील हुआ है चंदे के रूप में मोटी रकम वसूली की गई है। अब भाजपा को दिए चंदे की वसूली हर महीना जनता से हो रही है। सरकार एक ओर महिलाओं को महतारी वंदन योजना से एक हजार रुपया देती है दूसरी ओर उन्ही महिलाओं के घर से बिजली बिल से 2 हजार 3 हजार 4 हजार रुपया बिजली बिल से वसूल रही है। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि स्मार्ट मीटर को लेकर भाजपा सरकार पहले कह रही थी कि उपभोक्ता की स्वेच्छा है स्मार्ट मीटर लगाना नही लगाना अब सरकार स्मार्ट मीटर की अनिवार्यता पर मौन क्यो है? स्मार्ट मीटर जनता के लिए स्मार्ट सुविधा नहीं बल्कि भाजपा सरकार की स्मार्ट लूट का माध्यम बन गया। काँग्रेस स्मार्ट मीटर की अनिवार्यता एवं उपभोक्ताओं से लूट के खिलाफ स्मार्ट मीटर बदलों अभियान चला रही है। सरकार को हर हाल में स्मार्ट मीटर बदलना पड़ेगा।

## रोड-रेज के विवाद में कारोबारी से लूटपाट करने वाले गिरफ्तार

**शहर सत्ता/रायपुर।** रायपुर के पंडरी-मोवा इलाके में कार टकराने के विवाद के बाद कारोबारी से मारपीट और लूट का मामला सामने आया है। आरोप है कि दूसरी कार में सवार तीन युवकों ने पहले कारोबारी से गाली-गलौज की। इसके बाद उसके चेहरे पर 4-5 मुक्के मारे। आरोपियों ने कारोबारी की शर्ट फाड़ दी और गले से सोने की चेन लूट ली। पूरी घटना CCTV कैमरे में कैद हो गई। शिकायत के बाद पंडरी पुलिस ने तीनों आरोपियों को पकड़ लिया है। पूरे मामले का खुलासा पुलिस के अधिकारी जल्द करेंगे। शिकायतकर्ता अमन अग्रवाल (24) कैपिटल पैलेस, अवंति विहार निवासी हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि 10 सितंबर की शाम करीब 6:40 बजे वे अपनी नेक्सॉन कार से अशोका रतन के गेट नंबर-1 से बाहर निकल रहे थे। इसी दौरान एटी प्लाजा ओवरब्रिज की तरफ से आ रही काले रंग की एक कार उनकी कार से टकरा गई। अमन के मुताबिक, वे कुछ समझ पाते, इससे पहले ही दूसरी कार का चालक और उसके साथ मौजूद दो युवक नीचे उतरकर उनकी कार के पास पहुंच गए। तीनों ने गाली-गलौज करते हुए उनसे विवाद शुरू कर दिया।

## सूर्या-कप सीजन-9; 26 सितंबर से सुभाष स्टेडियम में नाइट क्रिकेट

**शहर सत्ता/रायपुर।** रायपुर के सुभाष स्टेडियम में 26 सितंबर से सूर्या कप सीजन-9 का आयोजन होगा। इस बार टूर्नामेंट में 48 टीमें हिस्सा लेंगी। इनमें 32 टीमें सिल्वर लीग और 16 टीमें आइकॉन लीग में खेलेंगी। प्रतियोगिता की खास बात यह है कि पहली बार अंडर-19 खिलाड़ियों को भी इसमें शामिल किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ के अलग-अलग हिस्सों से ट्रायल के जरिए चुने गए 40 U-19 खिलाड़ियों का 13 सितंबर को आईपीएल की तर्ज पर ऑक्शन होगा। आइकॉन लीग में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों के साथ दूसरे शहरों के खिलाड़ी भी नजर आएंगे। टीम शिवा ने बेंगलुरु के सागर भंडारी को, SA रबर ने भोपाल के मोहम्मद अनस को और सूर्या लायंस ने इंदौर के इरफान पटेल को टीम में शामिल किया है।

मोहित पुजारी की टीम में भोपाल के मकबूल, GD-11 में भिलाई के तुषार यादव, बिलासपुर की चाक दे बॉयज में सौरभ शिलू और टीम RRC में गोपी पटेल खेलेंगे। इसके अलावा बाउंड्री हिटर ने भिलाई के राज ठाकुर, माना की टीम ने रिचर्ड और मारियो ने राकेश यादव को आइकॉन खिलाड़ी बनाया है। इस बार U-19 खिलाड़ियों को भी बड़े खिलाड़ियों के साथ खेलने का मौका मिलेगा। छत्तीसगढ़ से ट्रायल के जरिए 40 खिलाड़ियों का चयन किया गया है। इन खिलाड़ियों को अलग-अलग टीमों में शामिल करने के लिए 13 सितंबर को ऑक्शन किया जाएगा। आयोजकों के मुताबिक इसका उद्देश्य प्रदेश के युवा खिलाड़ियों को बड़े स्तर की प्रतियोगिता में खेलने का अनुभव देना है।

## त्योहार से पहले पुलिस की सख्ती

**शहर सत्ता/रायपुर।** छत्तीसगढ़ के रायपुर (ग्रामीण)। आगामी गणेश पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए रायपुर ग्रामीण पुलिस ने असामाजिक गतिविधियों पर निगरानी बढ़ा दी है। इसी क्रम में तिल्दा-नेवरा पुलिस ने शांति व्यवस्था बिगाड़ने की आशंका वाले 14 लोगों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है। सभी को अनुविभागीय दंडाधिकारी न्यायालय तिल्दा-नेवरा में पेश किया गया, जहां से जेल वारंट जारी होने के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक रायपुर ग्रामीण श्रीमती श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती चंचल तिवारी और अनुविभागीय अधिकारी पुलिस विधानसभा श्री वीरेंद्र चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में की गई।

# प्रदेश के 5 लाख बच्चों की आंखों पर संकट

## 25 जिलों के CMHO को नोटिस

**शहर सत्ता/रायपुर।** प्रदेश के 25 जिलों के 5 लाख से ज्यादा स्कूली बच्चों की नजर धुंधली है। कई बच्चों को माइनस 3 से 4 नंबर के चश्मे लग रहे हैं। इस कारण उन्हें ब्लैक बोर्ड में लिखी गई चीजें दिख नहीं रही है, लेकिन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी घोर लापरवाही बरत रहे हैं। रायपुर समेत 25 जिलों में अगस्त में एक भी चश्मा बच्चों को नहीं बांटे गए हैं। इससे बच्चों की परेशानी बढ़ गई है। स्वास्थ्य संचालनालय ने इसे घोर लापरवाही की श्रेणी में मानते हुए सभी जिलों के सीएमएचओ को नोटिस थमा दिया है। उन्हें एक सप्ताह में चश्मा वितरण कर जानकारी संचालनालय भेजने को कहा गया है। स्कूली बच्चों की आंखों की जांच कर उन्हें पॉवर वाले चश्मा नि:शुल्क देने का काम स्वास्थ्य विभाग का है, लेकिन विभाग इस काम में भी बेपरवाह है। अंधत्व नियंत्रण कार्यक्रम की स्टेट नोडल अफसर डॉ. निधि ग्वालारे ने सभी सीएमएचओ का पत्र जारी किया है। पत्र की भाषा से स्पष्ट है कि सीएमएचओ ने किस स्तर की लापरवाही की है।

पत्र के अनुसार, अंधत्व एवं अल्प दृष्टि नियंत्रण कार्यक्रम अगस्त की जिलों से प्राप्त मासिक प्रतिवेदन की समीक्षा की गयी। खेद का विषय है कि आपके जिले में स्कूली छात्र निःशुल्क चश्मा वितरण हेतु आपके जिलों को प्रदाय लक्ष्य के विरूद्ध उपलब्धि शून्य है। जबकि पूर्व में माह अक्टूबर 2026 तक स्कूली छात्र निःशुल्क चश्मा वितरण पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। यह राष्ट्रीय कार्यक्रम के प्रति उदासीनता को प्रदर्शित करता है तथा कार्यपालन में लापरवाही और निर्देशों की अवहेलना की श्रेणी में आता है।

### शत-प्रतिशत चश्मा वितरण सुनिश्चित करें

डॉ. ग्वालारे के पत्र के अनुसार वित्तीय वर्ष के 6 माह पूर्ण होने के पश्चात भी चश्मा वितरण नहीं हो पाने के कारण स्पष्ट कर एवं शत-प्रतिशत चश्मा वितरण किया जाना सुनिश्चित करें। पत्र से स्पष्ट है कि चश्मा बांटने में सीएमएचओ किस हद की लापरवाही बरत रहे हैं। इससे ये भी अंदाजा लगाया जा सकता है कि जिन छात्रों को पावर के चश्मे लगने हैं, उनकी आंखों की नजर फिर कमजोर हो रही होगी। जिन बच्चों में मायोपिया यानी दूर की चीजें धुंधली दिखाई देती है, उन्हें तत्काल पावर चश्मा लगाने की जरूरत होती है। ऐसा नहीं करने पर पावर वाले चश्मे का नंबर बढ़ते जाता है।

### गेम्स-रील्स से नजर हो रही कमजोर

मोबाइल फोन में गेम्स खेलने व रील्स देखने से स्कूली बच्चों की नजर कमजोर पड़ रही है। स्वास्थ्य विभाग सभी छात्रों की आखों की जांच करने में फेल है। यही कारण है कि जब छात्रों के पैरेंट्स खुद से आंखों की जांच करवाते हैं तो चश्मा का नंबर काफी बढ़ा हुआ आ रहा है। कई छात्रों को चश्मा दुकान से 1500 से 2000 रुपए में पॉवर वाला चश्मा बनवाना पड़ रहा है। नेशनल प्रोग्राम फॉर कंट्रोल ऑफ ब्लाइंडनेस एंड विजुअल इंपेयरमेंट के तहत सभी स्कूली बच्चों की आंखों की जांच करनी है। क्लास एक से बारहवीं तक के छात्र इसके दायरे में आते हैं। स्वास्थ्य विभाग के दावे तो बड़े-बड़े हैं, लेकिन हकीकत में कई छात्र जांच से वंचित हो रहे हैं।

### इन जिलों के सीएमएचओ को नोटिस

रायपुर, बालोद, बलौदाबाजार, बलरामपुर, बस्तर, बेमेतरा, दंतेवाड़ा, दुर्ग, गरियाबंद, जीपीएम, जांजगीर, जशपुर, कांकेर, कवर्धा, केसीजी. कोंडागांव, कोरबा, कोरिया, एमएमएसी, महासमुन्द, एमसीबी. मुंगेली, नारायणपुर, रायगढ़, राजनांदगांव व सक्ती।

## ED रिमांड में ADM चेतन बरघोरिया

**शहर सत्ता/रायपुर।** छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित CGPSC घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के एडिशनल कलेक्टर चेतन बरघोरिया को गिरफ्तार किया है। मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामले में कोर्ट ने उन्हें 6 दिन की ED रिमांड पर भेजा है। ADM की गिरफ्तारी को लेकर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रविवार, 13 सितंबर को बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि सरकार अपराध के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है और दोषी पाए जाने पर किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि उनकी सरकार में कोई भी व्यक्ति अपराध करता है तो उसकी जांच की जाएगी। जांच में दोषी पाए जाने पर उसके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई होगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अपराध करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार को बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के ADM चेतन बरघोरिया से पूछताछ की थी। पूछताछ के बाद ED ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद जांच एजेंसी ने उन्हें विशेष अदालत के सामने पेश किया और मामले में आगे की पूछताछ के लिए रिमांड की मांग की। कोर्ट में ED की ओर से चेतन बरघोरिया और उत्कर्ष चंद्राकर के बीच WhatsApp चैट मिलने का हवाला दिया गया। एजेंसी ने मामले की जांच में इस डिजिटल बातचीत को अहम आधार बताया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने चेतन बरघोरिया को 6 दिन की ED रिमांड पर भेज दिया। CGPSC घोटाला मामले में ED मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े पहलुओं की जांच कर रही है। ADM की गिरफ्तारी के बाद मामले में जांच का दायरा और बढ़ने की संभावना है। ED रिमांड के दौरान चेतन बरघोरिया से मामले से जुड़े लेन-देन और अन्य संदिग्ध गतिविधियों को लेकर पूछताछ की जा रही है।

# गृहमंत्री ने लॉन्च किया 9 वीडियो मॉड्यूल वाला साइबर संकल्प

**शहर सत्ता/रायपुर।** रायपुर के पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में शनिवार को साइबर जागरूकता कार्यक्रम हुआ। इसमें 500 से ज्यादा विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। उपमुख्यमंत्री और गृहमंत्री विजय शर्मा ने 9 वीडियो मॉड्यूल वाले डिजिटल कोर्स 'साइबर संकल्प' की शुरुआत की। हर वीडियो 5 से 6 मिनट का है। इसमें साइबर ठगी के नए तरीकों और उनसे बचने के आसान उपाय बताए गए हैं। इस कार्यक्रम में साइबर ठगी की स्थिति में तुरंत 1930 हेल्पलाइन पर कॉल करने की अपील की गई। गृहमंत्री ने विद्यार्थियों से कहा कि वे खुद साइबर अपराधों से बचने के साथ अपने परिवार, दोस्तों और आसपास के लोगों को भी जागरूक करें। उन्होंने साइबर जागरूकता अभियान को गांव-गांव तक पहुंचाने पर जोर दिया। स कार्यक्रम में साइबर ठगी के पीड़ित डॉ. सेन ने अपना अनुभव भी साझा किया। उन्होंने बताया कि वे एक करोड़ रुपए से ज्यादा की डिजिटल अरेस्ट ठगी का शिकार हुए थे। ठगी का पता चलने के बाद उन्होंने गोल्डन ऑवर में पुलिस से संपर्क किया। समय पर कार्रवाई होने से ठगी की रकम वापस मिल गई। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि साइबर ठगी होने पर घबराने या देर करने के बजाय तुरंत पुलिस और 1930 हेल्पलाइन से संपर्क करना जरूरी है। 'साइबर संकल्प' को डिजिटल सुरक्षा और साइबर जागरूकता पर तैयार किया गया है। इसमें कुल 9 वीडियो मॉड्यूल हैं। प्रत्येक वीडियो 5 से 6 मिनट का है। इन वीडियो के जरिए लोग आसान भाषा में साइबर अपराध के नए तरीकों, ऑनलाइन ठगी की पहचान और सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के बारे में जानकारी ले सकेंगे।

# 24 घंटे बाद मिला कबड्डी खिलाड़ी शिवम का शव

**शहर सत्ता/रायपुर।** दुर्ग जिले के उतई थाना क्षेत्र के सेलूद भाटापारा में तांदुला नहर के तेज बहाव में बहे 17 साल के कबड्डी खिलाड़ी शिवम यादव का शव दूसरे दिन सुबह एसडीआरएफ की टीम ने बरामद कर लिया। शिवम रायपुर के गुढ़ियारी का रहने वाला था और सेलूद में आयोजित ओपन कबड्डी प्रतियोगिता में शामिल होने आया था। जानकारी के मुताबिक गुढ़ियारी से कुछ युवक ओपन कबड्डी प्रतियोगिता में हिस्सा लेने सेलूद पहुंचे थे। प्रतियोगिता के बाद वे सेलूद भाटापारा स्थित नहर के पास गए। इसी दौरान दो युवक तेज बहाव की चपेट में आकर पानी में बहने लगे। आसपास मौजूद ग्रामीणों ने दोनों को बचाने की कोशिश की। ग्रामीणों की मदद से एक युवक को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, लेकिन शिवम तेज बहाव में बह गया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। इसके बाद उतई थाना पुलिस मौके पर पहुंची और उसकी तलाश शुरू कराई।

सूचना मिलने के बाद एसडीआरएफ दुर्ग की टीम रेस्क्यू उपकरणों के साथ मौके पर पहुंची। नहर में पानी का स्तर अधिक और बहाव तेज था। टीम ने 12 सितंबर को दिनभर नहर के संभावित हिस्सों में शिवम की तलाश की। एसडीआरएफ जवानों ने पानी के भीतर और नहर के आसपास सघन खोजबीन की, लेकिन शिवम का पता नहीं चला। अंधेरा होने और नहर की स्थिति को देखते हुए रात में सर्च ऑपरेशन रोकना पड़ा।

निगम ने इसके लिए एक कमांड सेंटर तैयार करने की भी योजना बनाई है। कैमरों से मिलने वाली तस्वीरों और वीडियो को जरूरत पड़ने पर कार्रवाई के लिए सबूत के तौर पर इस्तेमाल किया जाएगा। निगम ने पुलिस के साथ मिलकर शहर की करीब 23 संवेदनशील जगहों को चिह्नित किया है। इनमें व्यावसायिक और भीड़भाड़ वाले इलाके शामिल हैं। इन स्थानों पर कैमरे लगाने का काम प्राथमिकता से किया जाएगा। निगम अधिकारियों का कहना है कि पर्याप्त सबूत नहीं मिलने के कारण कचरा फेंकने के कई मामलों में कार्रवाई नहीं हो पाती।

# कृषि विभाग की कार्रवाई, 3 व्यापारियों पर एफआईआर

## बिना अनुमति कारोबार और स्टॉक की गड़बड़ी मिली

**शहर सत्ता/रायपुर।** खरीफ सीजन में कृषि सामग्री की जांच के दौरान रायपुर जिले में अनियमितता मिलने पर कृषि विभाग ने कार्रवाई की है। विभाग ने 3 व्यापारियों के खिलाफ पुलिस में एफआईआर दर्ज कराई है। 9 व्यापारियों पर कृषि सामग्री की बिक्री पर प्रतिबंध लगाया गया है, जबकि 3 गोदाम सील किए गए हैं। एक व्यापारी को स्पष्टीकरण जारी किया गया है। राज्य और जिला स्तर की संयुक्त जांच टीम ने व्यापारियों के प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया था। जांच के दौरान बिना जरूरी अनुमति के उर्वरक, बीज और जैव उत्प्रेरक का व्यापार या भंडारण करने सहित अन्य अनियमितताएं मिलीं। मेसर्स पुलकित बायोफर्टिलाइजर, हरियाणा और रविन्द्र कुमार मित्तल के खिलाफ बिना प्राधिकार पत्र के उर्वरक, बीज और उर्वरक का व्यापार करने पर एफआईआर दर्ज कराई गई है। मेसर्स एकॉन क्रॉप साइंसेस इंडिया प्रा. लि., एमिरॉन ओवरसीस प्रा. लि., डेक्सीस एग्रो सोल्यूशन लि., भास्कर कृषि केन्द्र, अभनपुर कृषि केन्द्र और सोपन एग्री केयर प्रा. लि. समेत अन्य प्रतिष्ठानों में भी नियमों का पालन नहीं करने की स्थिति मिली। कहीं बिना अनुमति के कृषि सामग्री का भंडारण मिला तो कहीं कीटनाशक के पैकेजिंग और भंडारण में गड़बड़ी, एक्सपायरी डेट के उत्पाद और जरूरी रिकॉर्ड दर्ज नहीं करने जैसी कमियां मिलीं। इन मामलों में बिक्री प्रतिबंध और नोटिस की कार्रवाई की गई है।

उरकुरा स्थित श्री निधि मार्केटिंग सीएंडएफ में जांच के दौरान मेसर्स हॉक एग्रीकेम प्रा. लि., मेसर्स ओसियन एग्रीटेक प्रा. लि. और मेसर्स त्रिवेणी एग्रो केमिकल्स एंड इंडस्ट्रीज लि. से जुड़े भंडारण में अनियमितता मिली। यहां भंडारण से जुड़ी सामग्री मिलने पर गोदाम सील किया गया। वहीं मेसर्स आर.डी. इंटरप्राइजेस और मेसर्स डी.सी. इंटरप्राइजेस, रायपुरा में निरीक्षण में सहयोग नहीं करने पर बिक्री केंद्र सील किए गए।

### जांच में सहयोग नहीं करने पर दो बिक्री केंद्र सील

उप संचालक कृषि ने बताया कि संबंधित व्यापारियों से स्पष्टीकरण मांगा गया है। उनके जवाब के बाद नियमों के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। उर्वरक से जुड़ी अनियमितता पर उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985 और आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत कार्रवाई होगी। वहीं कीटनाशक से जुड़े मामलों में कीटनाशी अधिनियम 1968 और नियम 1971 के तहत कार्रवाई की जाएगी। कृषि विभाग के अनुसार कृषि आदानों की गुणवत्ता और बिक्री में नियमों के पालन को लेकर जांच आगे भी जारी रहेगी, ताकि किसानों को सही गुणवत्ता की सामग्री मिल सके। कूलों तक पहुंचने का लक्ष्य रखा गया था।

# पुलिस की पेट्रोलिंग गाड़ी से मोबाइल-कैश चोरी

## जवान ट्रैफिक संभालने उतरे, बदमाशों ने गाड़ी से पार किया सामान

**शहर सत्ता/रायपुर।** रायपुर के आजाद चौक इलाके में बदमाशों ने पुलिस की पेट्रोलिंग गाड़ी को ही निशाना बना लिया। चोर वाहन से मोबाइल, 2 से 3 हजार रुपए कैश और गमछा लेकर फरार हो गए। पूरी वारदात साईं मंदिर में लगे CCTV कैमरे में कैद हो गई है। फुटेज के आधार पर पुलिस अब आरोपियों की तलाश कर रही है। जानकारी के मुताबिक, 10 सितंबर को इलाके में ट्रैफिक का दबाव काफी ज्यादा था। रात करीब 11 बजे आजाद चौक थाने की पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंची थी। ट्रैफिक व्यवस्था संभालने के लिए पुलिसकर्मी वाहन को सड़क पर खड़ा कर बाहर निकल गए।

पुलिसकर्मियों के वाहन से बाहर निकलते ही बदमाशों ने मौका देखा और पेट्रोलिंग गाड़ी के अंदर रखे सामान पर हाथ साफ कर दिया। कुछ देर बाद जब जवान वापस वाहन के पास पहुंचे तो मोबाइल और कैश गायब मिली। इसके बाद आसपास लगे CCTV कैमरों की जांच की गई। साईं मंदिर में लगे CCTV कैमरे में संदिग्ध युवक वाहन के आसपास घूमते और चोरी करते नजर आए हैं। पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान करने में जुटी है। आसपास के दूसरे CCTV कैमरों की रिकॉर्डिंग भी खंगाली जा रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की पहचान होने के बाद उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

## संपादकीय

• सुकांत राजपूत

# मोदी की कूटनीति पर दुनिया की नजर

देश की राजधानी में आयोजित किया जा रहा ब्रिक्स शिखर सम्मेलन उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच सहयोग और वैश्विक व्यवस्था में विकासशील देशों की भूमिका को मजबूत करने का एक महत्त्वपूर्ण अवसर है। ऐसे समय में जब दुनिया आर्थिक अनिश्चितता, युद्ध, व्यापारिक तनाव और बदलते भू-राजनीतिक समीकरणों के दौर से गुजर रही है, तब ब्रिक्स की प्रासंगिकता और बढ़ गई है। भारत के लिए यह मंच अपने राष्ट्रीय हितों को आगे बढ़ाने के साथ-साथ वैश्विक दक्षिण की आवाज को सशक्त रूप देने की दृष्टि से भी अहम है। सम्मेलन से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच शुक्रवार को हुई बैठक में भी भारत की प्राथमिकताओं और प्रतिबद्धताओं को स्पष्ट रूप से रेखांकित किया गया।

इस दौरान मुख्य रूप से वर्ष 2030 तक वार्षिक द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर सौ अरब डालर तक पहुंचाने तथा रक्षा, ऊर्जा और दुर्लभ खनिजों के क्षेत्र में सहयोग को और मजबूत करने पर जोर दिया गया। यह इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों में भारत को व्यापारिक सहयोग के मोर्चे पर अंतरराष्ट्रीय संबंधों को विस्तार देने और नए बाजार तलाशने की जरूरत है। ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका से शुरू हुए ब्रिक्स समूह का विस्तार अब कई अन्य देशों तक हो चुका है। ब्रिक्स भारत के लिए केवल आर्थिक एवं व्यापारिक सहयोग का मंच नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन की दृष्टि से विकासशील देशों की आवाज बुलंद करने का माध्यम भी है।

भारत की नीति दुनिया की आर्थिक व्यवस्था को अधिक न्यायपूर्ण और संतुलित बनाने की रही है, जिसके तहत अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं में विकासशील देशों को उनकी आर्थिक क्षमता और जनसंख्या के अनुरूप अधिक प्रतिनिधित्व मिलने की वकालत की जाती रही है। स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने, भुगतान प्रणालियों को मजबूत करने और आर्थिक सहयोग को आसान बनाने जैसे विषय भी भारत के लिए महत्त्वपूर्ण हैं और इन मुद्दों पर शिखर सम्मेलन में भी प्रमुखता से चर्चा होने की उम्मीद है। इसके अलावा, भारत हमेशा से वैश्विक शांति का पक्षधर रहा है और प्रधानमंत्री मोदी ने पुतिन के साथ बैठक में दोहराया कि किसी भी समस्या का समाधान केवल युद्ध नहीं हो सकता है। साथ ही कहा कि रूस-यूक्रेन संघर्ष को खत्म करने के शांति प्रयासों में भारत हर संभव मदद के लिए तैयार है।

भारत ऐसे समय में ब्रिक्स को अधिक प्रभावी मंच के रूप में आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है, जब वैश्विक स्तर पर भू-राजनीतिक परिस्थितियां लगातार बदल रही हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया में संघर्ष, खासकर होर्मुज जलमार्ग की नाकेबंदी तथा अमेरिका की व्यापार शुल्क नीतियों की वजह से विश्व की अर्थव्यवस्था प्रतिकूल प्रभावों का सामना कर रही है। ऐसी स्थिति में भारत के लिए चुनौती ब्रिक्स सम्मेलन में संघर्ष से जुड़े मसले पर एकराय बनाने की भी है, क्योंकि समूह में शामिल ईरान स्पष्ट रूप से अमेरिका और इजराइल की सैन्य कार्रवाई की निंदा करने पर जोर दे रहा है, जबकि यूएई समुद्री मार्गों में किसी तरह की बाधाओं के खिलाफ है।

इसके अलावा शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की भारत यात्रा को भी कई मायनों में अहम माना जा रहा है। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनकी बैठक भी प्रस्तावित है। उम्मीद है कि यह द्विपक्षीय बातचीत भारत-चीन संबंधों में सुधार की संभावना पर जमी बर्फ को पिघलाने का काम करेगी। किसी भी समाज को गहराई से समझना हो, तो सबसे गहरी पहचान का माध्यम भाषा होती है। मर्यादा को तार-तार करती भाषा व्यक्ति या समूह की कुंठाओं की सबसे बड़ी परिचायक है। यहां गालियों की बात नहीं हो रही है। उनका एक अपना समाजशास्त्र है और समाजशास्त्रीय विश्लेषण भी।

# गणपति बप्पा... थोड़ी सद्बुद्धि इधर भी !

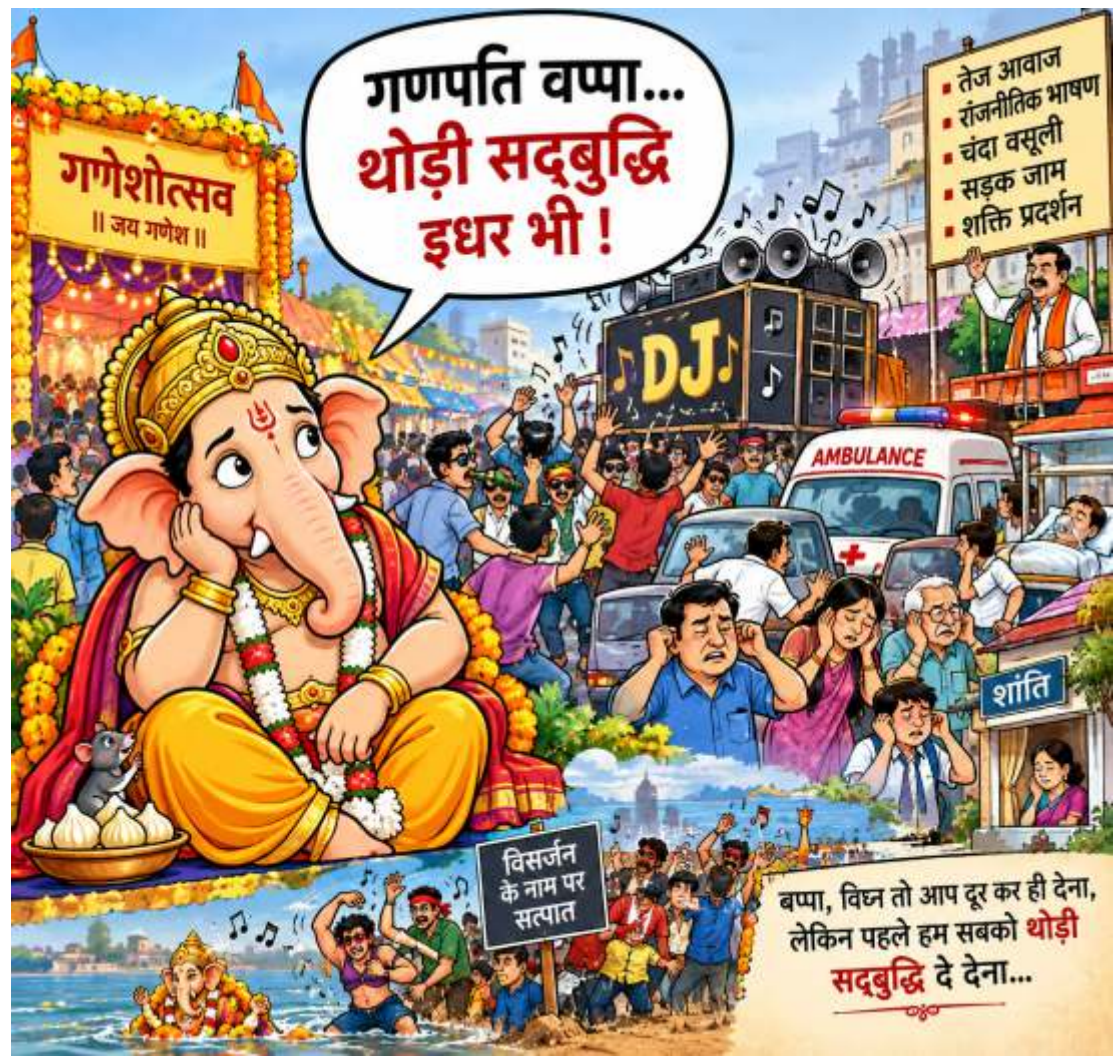


गणपति बप्पा आ गए हैं। घरों में खुशियां हैं, पंडालों में रोशनी है और मोहल्लों में भक्ति का माहौल है। गणेशोत्सव का मूल उद्देश्य समाज को जोड़ना, भाईचारा बढ़ाना और लोगों को एकता के सूत्र में बांधना रहा है। लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक जी ने 1893 में जब इसे सार्वजनिक उत्सव का रूप दिया था, तब इसके पीछे सामाजिक और राष्ट्रीय चेतना जगाने की भावना थी। अंग्रेजों के खिलाफ लोगों को एक मंच पर लाना था। आज गणेशोत्सव पूरे देश में धूमधाम से मनाया जाता है।

भगवान श्री गणेश बुद्धि के देवता हैं और कुछ लोगों को सद्बुद्धि की जरूरत सबसे ज्यादा पड़ती है। क्योंकि कुछ जगह त्योहार की आड़ में ऐसी गतिविधियां दिखाई देने लगी हैं, जिनका पूजा और त्योहार की मूल भावना से दूर-दूर तक कोई संबंध नहीं रहता है। प्रशासन की अनुमति के बिना पंडाल के नाम पर सड़कें घेर दी जाती है। व्यवस्था के अभाव में कहीं ऐसी भीड़ एकत्र कर दी जाती है कि भगवान तक पहुंचने के लिए भक्त को पहले जाम की परीक्षा पास करनी पड़ती है। एम्बुलेंस फंस जाए तो भगवान से प्रार्थना कीजिए कि मरीज की किस्मत गणपति बप्पा से मजबूत हो।

सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होने चाहिए। आखिर संस्कृति बचाने की जिम्मेदारी भी तो जरूरी है, लेकिन संस्कृति बचाने के नाम पर रात-दिन तेज आवाज, राजनीतिक भाषण और शक्ति प्रदर्शन भी देखने को मिलता है। संस्कृति भी बेचारी पूछने लगती है कि मुझे बचाया जा रहा है या मेरे नाम पर कुछ और किया जा रहा है? वह शायद सोचती होगी कि अगर मुझे इसी तरह बचाया गया तो अगली बार मुझे बचाने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।

गणपति बप्पा को शायद इस बात पर आश्चर्य होता होगा कि लोग उनसे विघ्न दूर करने की प्रार्थना करते हैं और फिर खुद दूसरों के रास्ते में विघ्न बन जाते हैं। उनसे शांति मांगते हैं और फिर ऐसा शोर करते हैं कि शांति बेचारी गाँव के किसी पुराने घर में जाकर छिप जाती है। शहर में तेज आवाज और कंपन से नुकसान की घटनाओं की खबरें आती रही हैं। कहीं जर्जर इमारत गिर जाती है, कहीं कारों के शीशे टूट जाते हैं, लोगों के कान और दिल तक खराब हो जाते हैं, मगर डीजे चलता रहता है। ऐसा लगता है कि डीजे ने प्रशासन से स्थायी समझौता कर रखा है, तुम आदेश निकालते रहो, मैं आवाज निकालता रहूंगा। अदालत आदेश देती है। अधिकारी निर्देश देते हैं। पुलिस समझाती है। फिर डीजे बजता है। यानी व्यवस्था में सबकी भूमिका तय है—अदालत आदेश देगी, प्रशासन अपील करेगा, पुलिस समझाएगी और डीजे वाला बाबू गाना बजाएगा। जनता भी बड़ी सहनशील है। कान बंद कर लेती है। खिड़की बंद कर लेती है। टीवी बंद कर देती है। बच्चे पढ़ाई छोड़ देते हैं। बुजुर्ग सोने की कोशिश छोड़ देते हैं। मरीज करवट बदलता रहता है। लेकिन डीजे बंद नहीं होता। जनता को सहना ही पड़ेगा। यह शायद हमारे लोकतंत्र का नया सिद्धांत है—जिसकी आवाज सबसे तेज, उसकी श्रद्धा सबसे बड़ी और जिसकी परेशानी सबसे ज्यादा, उसकी आवाज सबसे छोटी।

भगवान गणेश बुद्धि और विवेक के देवता माने जाते हैं। लेकिन कुछ लोगों का विवेक विसर्जित हो जाता है। विसर्जन के दौरान नशे में धुत्त लोग नागिन डांस में मशगूल रहते हैं। कोई सड़क पर झूम रहा होता है, कोई चिल्लाता रहता है, कोई भीड़ में जानबूझकर दूसरों को धक्का देने में व्यस्त रहता है। बप्पा भी शायद सोचते होंगे कि मेरी पूजा में यह कौन-सा अध्याय पढ़ाया जा रहा है?

त्योहार मनाइए। पूरे उत्साह से मनाइए। गणपति को घर लाइए, पंडाल सजाइए, आरती कीजिए, सांस्कृतिक कार्यक्रम कीजिए, प्रसाद बांटिए और मिल-जुलकर खुशी मनाइए। लेकिन इतना भी याद रखिए कि भगवान को प्रसन्न करने के लिए जनता को परेशान करना जरूरी नहीं है।

**कॉलम - खुरचन**
द्वारा- हरिदास

गणपति बप्पा को शायद ऊंचे डीजे की जरूरत नहीं। उन्हें शायद यह ज्यादा पसंद आए कि विसर्जन के रास्ते में किसी बुजुर्ग को परेशानी न हो, किसी मरीज की एम्बुलेंस न फंसे, किसी बच्चे की नींद न टूटे, किसी दुकानदार से जबरन चंदा न लिया जाए और किसी सड़क को श्रद्धा के नाम पर अनिश्चितकाल के लिए बंद न किया जाए।

लोकमान्य तिलक ने गणेशोत्सव को लोगों को जोड़ने के लिए सार्वजनिक बनाया था। आज जरूरत है कि हम फिर उसी भावना को याद करें।

भक्ति में शक्ति हो, प्रदर्शन में नहीं।

उत्सव में उल्लास हो, उत्पात नहीं।

चंदे में स्वेच्छा हो, दबाव नहीं।

संगीत में माधुर्य हो, कानफोड़ू शोर नहीं।

उत्साह हो, लेकिन किसी की सेहत की कीमत पर नहीं।

और विसर्जन में श्रद्धा हो, नशे और हुड़दंग का प्रदर्शन नहीं।

बाकी गणपति बप्पा सब देख रहे हैं।

बस इस बार उनसे एक प्रार्थना और कर दीजिए—

"बप्पा, विघ्न तो आप दूर कर ही देना, लेकिन पहले हम सबको थोड़ी सद्बुद्धि दे देना। ताकि आपके नाम पर जनता को ही विघ्न न झेलना पड़े।"

# शिक्षा राजनीति की बपौती नहीं, अगली पीढ़ी को बख्श दो

**सुंदरचंद ठाकुर**

एक राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत उसकी शिक्षा व्यवस्था होती है और उस शिक्षा व्यवस्था की सबसे बड़ी ज़रूरत होती है निष्पक्षता। जब शिक्षा निष्पक्ष होती है, तब वह विद्यार्थी के मन में जिज्ञासा जगाती है, उसे सवाल पूछने की हिम्मत देती है और एक ऐसा नागरिक बनाती है, जो देश को आगे ले जा सके। पर जब शिक्षा किसी विचारधारा का औज़ार बन जाती है, तब वह ज्ञान नहीं देती, केवल एक निश्चित दिशा में सोचने की आदत डालती है।

यह कोई नई समस्या नहीं है। और यह केवल भारत की नहीं। इतिहास गवाह है कि जब भी सत्ता ने शिक्षा को अपने रंग में रंगने की कोशिश की है, उसके दूरगामी परिणाम बहुत घातक रहे। सोवियत संघ में स्टालिन के दौर में पाठ्यक्रम को इस तरह तैयार किया गया कि केवल साम्यवादी विचारधारा को महान दिखाया जाए। इतिहास को तोड़ा-मरोड़ा गया, वैज्ञानिकों को उनके शोध के लिए दंडित किया गया। नाजी जर्मनी में हिटलर ने पाठ्यपुस्तकों को इस तरह बदला कि बच्चे एक विशेष नस्ल की श्रेष्ठता में विश्वास करने लगें। वह शिक्षा नहीं थी बल्कि वह एक पूरी पीढ़ी का मानसिक अपहरण था। माओ के चीन में सांस्कृतिक क्रांति के दौरान विश्वविद्यालय बंद कर दिए गए, शिक्षकों को अपमानित किया गया और पूरी एक पीढ़ी शिक्षा से वंचित रह गई।

यह सब इसलिए हुआ क्योंकि सत्ता ने शिक्षा को ज्ञान का माध्यम नहीं, नियंत्रण का माध्यम समझा। भारत में भी यह बहस नई नहीं है। आज़ादी के बाद से हर सरकार पर यह आरोप लगता रहा है कि उसने अपनी विचारधारा के अनुसार इतिहास लिखा, पाठ्यक्रम तैयार किया। कभी एक विचारधारा ने अपने नायकों को केंद्र में रखा, कभी दूसरी ने। यह खेल दशकों से चलता आया है। और इस खेल में सबसे बड़ा नुकसान जिसका हुआ, वह है भारत की भावी पीढ़ी। भारत के विद्यार्थी। जिसे इतिहास का पूरा सच नहीं मिला, जिसे केवल एक चुना हुआ सच परोसा गया।

हाल के वर्षों में NCERT की पाठ्यपुस्तकों में किए गए बदलावों पर देशभर में बहस छिड़ी। कुछ अध्याय हटाए गए, कुछ तथ्यों को बदला गया। शिक्षाविदों और इतिहासकारों ने इस पर गहरी चिंता जताई। यह चिंता किसी एक राजनीतिक खेमे की नहीं थी। यह उन लोगों की चिंता थी जो मानते हैं कि शिक्षा सरकारों से ऊपर होनी चाहिए। एक विकसित लोकतंत्र की पहचान यह है कि वहां शिक्षा व्यवस्था सरकार बदलने के साथ नहीं बदलती। फिनलैंड को दुनिया की सबसे बेहतरीन शिक्षा व्यवस्था के लिए जाना जाता है। वहां पाठ्यक्रम किसी राजनीतिक दल का एजेंडा नहीं है। वहां शिक्षक स्वायत्त हैं, विद्यार्थी स्वतंत्र हैं और शिक्षा का एकमात्र लक्ष्य बच्चे का सर्वांगीण विकास करना है।

भारत को भी यही चाहिए। एक ऐसी शिक्षा व्यवस्था जो किसी सरकार की बपौती न हो। जो हर बच्चे को, चाहे वह किसी भी पृष्ठभूमि से आए, समान और निष्पक्ष ज्ञान दे। जो उसे सवाल पूछना सिखाए न कि किसी एक जवाब पर रुकना। अगली पीढ़ी का मन एक कोरा कागज है। उस पर जो लिखा जाएगा, वही भारत का भविष्य बनेगा। उस कागज को राजनीति की स्याही से मत रंगिए। शिक्षा को शिक्षा रहने दीजिए। उसे राजनीति का अखाड़ा न बनाएं।

## संघर्ष की महिमा और अधूरी उड़ान

एक बार एक व्यक्ति ने अपने बगीचे में तितली के कोकून को देखा। कुछ दिनों बाद उसमें एक छोटा सा छेद बन गया। वह व्यक्ति वहीं बैठकर घंटों देखने लगा कि कैसे तितली उस नन्हे छेद से बाहर आने के लिए कड़ा संघर्ष कर रही थी। काफी देर बाद ऐसा लगा जैसे वह पूरी तरह थककर रुक गई हो। उस व्यक्ति को दया आ गई। उसने मदद करने के इरादे से कैंची उठाई और कोकून के छेद को थोड़ा बड़ा कर दिया। तितली बिना किसी मेहनत के तुरंत बाहर आ गई, लेकिन उसका शरीर सूजा हुआ था और पंख बेहद कमजोर व सिकुड़े हुए थे। व्यक्ति इंतजार करता रहा कि अब तितली के पंख फैलेंगे और वह उड़ जाएगी, लेकिन ऐसा कभी नहीं हुआ। वह तितली जीवन भर रेंगती ही रही। वह भला इंसान यह नहीं समझ सका कि कोकून के तंग छेद से बाहर निकलने का संघर्ष ही तितली के शरीर से तरल को उसके पंखों में भेजता है, जिससे वे उड़ने योग्य मजबूत बनते हैं। बिना संघर्ष के मिली आसानी ने तितली को हमेशा के लिए अपाहिज बना दिया था। जीवन में चुनौतियां और मुश्किलें हमारी क्षमता को निखारने और मजबूत पंख देने के लिए ही आती हैं।

## भोपाल-दिल्ली एयर इंडिया फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग, हादसा टला

**नई दिल्ली।** भोपाल से दिल्ली जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट A-1886 की जयपुर एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई. विमान को जयपुर डायवर्ट किए जाने के बाद सुरक्षित रूप से उतारा गया. सभी यात्री और क्रू मेंबर्स पूरी तरह सुरक्षित हैं. फ्लाइट का निर्धारित समय सुबह 8:25 बजे भोपाल से उड़ान भरने का था. विमान ने 8:47 बजे उड़ान भरी. इसे दिल्ली 9:55 बजे पहुंचना था. फ्लाइट के रास्ते में ही विमान को दिल्ली की जगह जयपुर डायवर्ट किया गया. विमान करीब सुबह 8:36 बजे जयपुर की दिशा में बढ़ रहा था और करीब 9:40 बजे तक जयपुर एयरपोर्ट पर पहुंच चुका था. विमान में सवार सभी यात्री और क्रू मेंबर्स सुरक्षित बताए जा रहे हैं. हालांकि विमान में किस तरह की तकनीकी खराबी आई और उसे जयपुर डायवर्ट करने की जरूरत क्यों पड़ी, इसकी आधिकारिक वजह अभी सामने नहीं आई है. इमरजेंसी लैंडिंग के चलते बड़ा हादसा टल गया. फिलहाल पूरे मामले में ग्राउंड स्टाफ और एयरलाइंस की टेक्निकल टीम विमान की जांच में जुट गई है. इंजन में खराबी का पता चलने के बाद पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल से संपर्क किया था और विमान का रूट जयपुर की तरफ मोड़ दिया गया था.

## बेली ब्रिज बनाने भारत ने नेपाल के लिए भेजे पुर्जे

**नई दिल्ली।** 26 अगस्त को नेपाल और तिब्बत बॉर्डर पर आई बाढ़ के बाद से लगातार भारत काठमांडू के साथ कंधे से कंधा मिलाकर मदद कर रहा है. अब इसी कड़ी में भारत ने बाढ़ से प्रभावित बेट्रावती इलाके में संपर्क बहाल करने के लिए 70 मीटर लंबे बेली ब्रिज के पुर्जों की खेप भेजी है. यह जानकारी भारत सरका के अधिकारी ने दी है. भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने बयान देते हुए कहा, भारत ने नेपाल के बाढ़ प्रभावित बेट्रावती इलाके में संपर्क बहाल करने में मदद के लिए 70 मीटर लंबे बेली ब्रिज के पुर्जों की पहली खेप नेपाल भेजी है. उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, 'शनिवार को हेटौडा में नेपाल के रोड डेवलपमेंट डिपार्टमेंट को यह खेप सौंपी गई है. उन्होंने कहा कि आने वादे दिनों में पुल के पुर्जों की ओर खेप भी आएगी. काठमांडू में भारतीय दूतावास ने पोस्ट करते हुए कहा, यह पुल बेट्रावती इलाके में संपर्क बहाल करने में मदद करेगा. जो नेपाल में हाल ही में आई अचानक बाढ़ से प्रभावित हुआ था.'

## बेंगलुरु में उमर खालिद की डॉक्यूमेंट्री पर बवाल

**नई दिल्ली।** दिल्ली दंगों की साजिश से जुड़े मामले में जेल में बंद उमर खालिद की डॉक्यूमेंट्री को लेकर बवाल मच गया है. अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने बेंगलुरु के नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी में उमर खालिद डॉक्यूमेंट्री 'प्रिजनर नंबर 626710 इज़ प्रेजेंट' की प्रस्तावित कैंपस स्क्रीनिंग पर कड़ा ऐतराज जताया है. एबीवीपी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर ललित वचानी की इस डॉक्यूमेंट्री प्रस्तावित स्क्रीनिंग को लेकर कड़ी निंदा की है. एबीवीपी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि वो इस बात पर गहरा आक्रोश व्यक्त करते हैं कि शैक्षणिक परिसरों का इस्तेमाल ऐसे लोगों से जुड़ी स्क्रीनिंग के लिए किया जा रहा है, जिनके नाम JNU विवाद के दौरान देश-विरोधी नारों, अफजल गुरु के कार्यक्रमों, और CAA-NRC विरोध-प्रदर्शनों व दिल्ली दंगों के दौरान भड़काऊ गतिविधियों से जुड़े रहे हैं. ABVP इस बात पर जोर देती है कि शैक्षणिक परिसरों को राजनीतिक प्रचार या नागरिक अशांति को बढ़ावा देने वाले मंच न बनाया जाए।

# गुजरात मॉडल से आत्मनिर्भर भारत तक : पीएम मोदी के 25 साल

## रजत जयंती पर देशव्यापी 'सेवा संकल्प अभियान

**नई दिल्ली।** सार्वजनिक जीवन और संवैधानिक पद पर सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में देशभर में 'सेवा संकल्प अभियान' का राष्ट्रव्यापी शुभारंभ हो गया है। केंद्र सरकार की लोक-कल्याणकारी नीतियों और प्रशासनिक सुशासन के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से शुरू हुआ यह अभियान समाज के अंतिम छोर तक पहुंच रहा है। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं, सामाजिक संगठनों और स्थानीय प्रशासनों के समन्वय से आयोजित इस पखवाड़े में देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में विविध रचनात्मक कार्यक्रमों की शुरुआत की गई है। अभियान का मुख्य उद्देश्य केवल उपलब्धियों का प्रदर्शन नहीं, बल्कि सीधे आमजन से जुड़कर स्वास्थ्य, स्वच्छता, पर्यावरण और सामाजिक सुरक्षा का विस्तार करना है।

### अभियान की प्रमुख गतिविधियां और जमीनी पहल

देश के सभी 700 से अधिक जिलों में एक साथ शुरू हुए इस अभियान के तहत प्रमुख रूप से निम्नलिखित मोर्चों पर काम किया जा रहा है:

**मेगा रक्तदान एवं स्वास्थ्य जांच शिविर:** देश के प्रमुख शहरों से लेकर जिला अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर वृहद रक्तदान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही वरिष्ठ नागरिकों और महिलाओं के लिए मुफ्त स्वास्थ्य जांच, आंखों की जांच और दवाओं का वितरण किया जा रहा है।

**'एक पेड़ माँ के नाम' एवं पर्यावरण संरक्षण:** जलवायु संरक्षण और हरित आवरण बढ़ाने के संकल्प के तहत सार्वजनिक पार्कों, विद्यालयों, नदियों के तटों और अमृत सरोवरों के किनारे सघन पौधरोपण अभियान चलाया जा रहा है।

**स्वच्छता ही सेवा और श्रमदान:** रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों, धार्मिक स्थलों और सार्वजनिक बाजारों में सफाई अभियान चलाए जा रहे हैं। स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी और आम नागरिक स्वयं झाड़ू उठाकर श्रमदान में हिस्सा ले रहे हैं।

**हितग्राही सम्मेलन और समाधान शिविर:** केंद्र और राज्य सरकारों की प्रमुख फ्लैगशिप योजनाओं—जैसे आयुष्मान भारत, पीएम आवास, किसान सम्मान निधि और उज्ज्वला योजना—के लाभ से वंचित पात्र लोगों को जोड़ने के लिए विशेष पंजीकरण शिविर लगाए गए हैं।

### राज्यों में व्यापक स्तर पर जन-सहभागिता

**उत्तर भारत:** उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान और हरियाणा में अभियान को लेकर विशेष उत्साह देखा जा रहा है। लखनऊ और जयपुर में विशाल रक्तदान शिविरों के साथ-साथ युवाओं के लिए 'सुशासन संवाद' कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं।

**मध्य व पश्चिम भारत:** मध्य प्रदेश और गुजरात में ग्रामीण स्तर पर खाट पंचायतें और विकास प्रदर्शनियां लगाई गई हैं। गुजरात में 'वाइब्रेंट गवर्नेंस' के सफर को दर्शाती डिजिटल प्रदर्शनियां आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं।

**छत्तीसगढ़ और मध्य-पूर्व क्षेत्र:** छत्तीसगढ़ के रायपुर, बिलासपुर, बस्तर और सरगुजा संभागों में 'जनजातीय गौरव और विकास' के तहत विशेष शिविर लगाए गए हैं, जहाँ मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार पेसा और वनाधिकार से जुड़े मामलों के त्वरित निराकरण पर जोर दिया जा रहा है।

**पूर्वोत्तर एवं दक्षिण भारत:** असम, त्रिपुरा सहित पूर्वोत्तर राज्यों में बुनियादी ढांचे के विकास पर परिचर्चाएं हो रही हैं, जबकि कर्नाटक, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में स्वयं सहायता समूहों (SHG) की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए कार्यशालाएं संचालित की जा रही हैं।

### युवाओं और प्रबुद्ध वर्ग का जुड़ाव

'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और शोध संस्थानों में बौद्धिक सम्मेलनों का दौर जारी है। '2047 का विकसित भारत: युवा दृष्टि' विषय पर निबंध, वाद-विवाद और नवाचार प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। स्टार्ट-अप संस्थापकों और स्थानीय उद्यमियों को भी इन मंचों पर आमंत्रित कर स्थानीय उत्पादों और 'वोकल फॉर लोकल' को बढ़ावा देने पर मंथन किया जा रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर जारी यह सेवा पखवाड़ा आने वाले दिनों में और अधिक गति पकड़ेगा, जिसमें दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरण, अनाथालयों व वृद्धाश्रमों में फल वितरण और जल स्रोतों के पुनरुद्धार जैसे कार्यक्रम निरंतर जारी रहेंगे।

# पीएम मोदी का सफर तपस्या, निष्ठा और अंत्योदय का प्रतीकः विष्णु देव साय

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संवैधानिक पद पर 25 वर्ष केवल किसी व्यक्ति के कार्यकाल की अवधि नहीं हैं, बल्कि यह भारत के प्रशासनिक इतिहास में एक युगांतकारी परिवर्तन की कहानी है। "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने गुजरात के मुख्यमंत्री पद से लेकर देश के सर्वोच्च पद तक पहुंचते हुए राजनीति में शुचिता, पारदर्शिता और 'राष्ट्र प्रथम' की नीति को स्थापित किया है। यह 'सेवा संकल्प अभियान' उन करोड़ों देशवासियों की ओर से कृतज्ञता का प्रकटीकरण है, जिनके जीवन में मोदी सरकार की योजनाओं से प्रत्यक्ष सुधार आया है।"

मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण (वर्ष 2000) के समय नरेंद्र मोदी भाजपा के प्रदेश प्रभारी थे। उन्होंने राज्य के कोने-कोने, दुर्गम वनांचलों और दूरदराज के क्षेत्रों का दौरा कर संगठन की नींव रखी थी। मुख्यमंत्री ने कहा, "मोदी जी का छत्तीसगढ़ की माटी और यहाँ की जनजातीय संस्कृति से दशकों पुराना भावनात्मक जुड़ाव है। राज्य के विकास के लिए केंद्र से मिलने वाली योजनाओं और संसाधनों में उनकी यह आत्मीयता साफ नजर आती है। प्रधानमंत्री आवास, महतारी वंदन और पीएम-जनमन योजना का लाभ आज बस्तर से सरगुजा तक अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है।" विष्णु देव साय ने कहा कि देश को नीतिगत पंगुता से निकालकर दुनिया की शीर्ष आर्थिक शक्तियों में स्थापित करना मोदी जी की दृढ़ इच्छाशक्ति का प्रमाण है। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' केवल नारा नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के सशक्तीकरण का आधार स्तंभ बन चुका है। छत्तीसगढ़ में इस 25 वर्षीय सफर के उपलक्ष्य में व्यापक स्तर पर जन-सहभागिता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। राज्य के सरकारी व निजी स्कूलों में 'विकसित भारत 2047' और 'सुशासन के 25 साल' विषय पर भाषण, निबंध व चित्रकला प्रतियोगिताएं। पीएम आवास, उज्ज्वला, और किसान सम्मान निधि के लाभार्थियों को सम्मानित करने और लंबित प्रकरणों के समाधान के लिए जिला व ब्लॉक स्तर पर शिविर। बस्तर और सरगुजा संभाग में पेसा (PESA) कानून और वन अधिकार पत्रों के क्रियान्वयन के प्रति जागरूकता अभियान। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आह्वान किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सेवा-पथ से प्रेरणा लेकर प्रशासनिक मशीनरी और जन-प्रतिनिधियों को पूरी निष्ठा के साथ जनसेवा में जुटना चाहिए।

## 'मैं दिमागी नक्सल हूं', कपिल सिब्बल का BJP पर तंज

**नई दिल्ली।** राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने रविवार को खुद को 'दिमागी नक्सल' कहा. उन्होंने यह बात 'हॉर्स ट्रेडिंग और लोकतंत्र' विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम में भाषण की शुरुआत करते हुए कही. सिब्बल ने एक कार्यक्रम में 'हॉर्स ट्रेड एंड डेमोक्रेसी' पर बात करते हुए खुद को 'दिमागी नक्सल' कहा. उन्होंने कहा, "मुझे कबूल करना है. मैं एक 'दिमागी नक्सल' हूं.आपको बता दें कि 'दिमागी नक्सल' शब्द का इस्तेमाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी अक्सर अपने वैचारिक विरोधियों पर हमला बोलने के लिए करते रहे हैं. पीएम मोदी का कहना रहा है कि ऐसे लोग तंत्र में बैठकर नीतियों को प्रभावित करते हैं और समाज के लिए खतरा बनते हैं. कपिल सिब्बल ने एक कार्यक्रम में विधायकों और सांसदों की खरीद-फरोख्त पर गहरी चिंता जताई. सिब्बल ने कहा कि प्राचीन समय में युद्ध जीतने के लिए घोड़ों की बहुत अहमियत होती थी और उन्हें बेचने वाले व्यापारी खरीदारों को बेवकूफ बनाते थे. लेकिन आज माहौल बदल चुका है अब बेचने वाले से ज्यादा खरीदने वाला चालाक हो गया है. उन्होंने कहा कि नेताओं की खरीद-फरोख्त केवल कोई छोटा-मोटा राजनीतिक घोटाला नहीं है, बल्कि यह देश के संविधान और लोकतंत्र के लिए बड़ा संकट है।

# कश्मीरी पंडितों को आतंकियों ने फिर दी धमकी!

**नई दिल्ली।** जम्मू-कश्मीर में प्रधानमंत्री पैकेज के तहत काम कर रहे कश्मीरी पंडित कर्मचारियों को लेकर सुरक्षा चिंता एक बार फिर बढ़ गई है. लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े बताए जा रहे संगठन यूनाइटेड लिबरेशन काउंसिल (ULC) के नाम से एक नई धमकी सामने आई है. इसमें कर्मचारियों को अलग ट्रांजिट कॉलोनियों में रहने से दूर रहने की चेतावनी दी गई है. यह धमकी ऐसे समय सामने आई है, जब कश्मीरी पंडित कर्मचारियों ने घाटी में सुरक्षित सरकारी आवास उपलब्ध कराने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था. रिपोर्ट्स के मुताबिक, नई धमकी में अलग बस्तियों में रहने की व्यवस्था को निशाना बनाया गया है और कर्मचारियों को डराने की कोशिश की गई है.

### ट्रांजिट आवास को लेकर पहले से चल रही मांग

प्रधानमंत्री पैकेज के तहत घाटी में काम कर रहे कश्मीरी पंडित कर्मचारी लंबे समय से सुरक्षित आवास की मांग कर रहे हैं. उनका कहना है कि नौकरी के साथ सुरक्षित रहने की व्यवस्था भी जरूरी है. सरकार ने ऐसे कर्मचारियों के लिए अलग ट्रांजिट आवास तैयार किए हैं. हाल के दिनों में कर्मचारियों की ओर से इन आवासों का जल्द आवंटन करने की मांग भी तेज हुई थी. इसी बीच सामने आई धमकी ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नई चिंता पैदा कर दी है.

### ULC के नाम से लगातार सामने आ रही धमकियां

यह पहली बार नहीं है जब ULC के नाम से कश्मीरी पंडित कर्मचारियों को धमकी दी गई है. पिछले कुछ हफ्तों में इस तरह के कई पत्र और संदेश सामने आने की रिपोर्ट है. इससे पहले कर्मचारियों को नौकरी छोड़ने की धमकी दिए जाने और उनकी निजी जानकारी ऑनलाइन साझा किए जाने की खबरें भी सामने आई थीं. 11 सितंबर की रिपोर्टों के मुताबिक, ताजा पत्र में उन कर्मचारियों को भी निशाना बनाने की धमकी दी गई है, जो अलग ट्रांजिट कॉलोनियों में रहने की योजना बना रहे हैं. एक रिपोर्ट में इसे ULC की ओर से पिछले करीब 40 दिनों में सामने आई छठी धमकी बताया गया है. हालांकि, ऐसे पत्रों की प्रामाणिकता और उनके पीछे मौजूद लोगों की पहचान की जांच सुरक्षा एजेंसियों के लिए अहम है.

## कैसे पटरी पर लौट रहे भारत-चीन रिश्ते

# LAC समझौता और 5 साल बाद शिखर वार्ता...

**नई दिल्ली।** ब्रिक्स समिट 2026 के लिए चीन के राष्ट्रपति शी जिपनिंग दिल्ली पहुंच गए हैं. जिनपिंग के भारत आने से दोनों देशों के बीच बढ़ी दूरी खत्म होने की उम्मीद है. जिनपिंग का दौरा कई मायनों में अहम है. अगर भारत और चीन के बीच राजनयिक संबंधों की बात करें तो ये काफी पुराने हैं और समय बदलने के साथ-साथ रिश्तों में भी बदलाव आया है. भारत 1 अप्रैल 1950 को चीन के साथ राजनयिक संबंध स्थापित करने वाला पहला गैर-समाजवादी गुट का देश बना था. साल 1962 के सीमा संघर्ष से दोनों देशों के संबंधों को झटका लगा, लेकिन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 1988 में चीन यात्रा ने द्विपक्षीय संबंधों में सुधार की शुरुआत की.

पिछले एक दशक में कई उच्चस्तरीय यात्राओं के जरिए भारत-चीन संबंधों का विस्तार हुआ और वे कई क्षेत्रों तक पहुंचे. सितंबर 2014 में राष्ट्रपति शी जिनपिंग की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को 'नजदीकी विकासात्मक साझेदारी' के रूप में नया रूप दिया. मई 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीन की यात्रा की और राष्ट्रपति शी जिनपिंग तथा प्रधानमंत्री ली केकियांग के साथ बैठक की. प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शी ने 27-28 अप्रैल 2018 को वुहान में अपनी पहली अनौपचारिक शिखर बैठक और 11-12 अक्टूबर 2019 को चेन्नई में दूसरी अनौपचारिक शिखर बैठक की.

### प्रधानमंत्री मोदी ने कब किया चीन दौरा

प्रधानमंत्री मोदी ने हांगझोउ में G20 शिखर सम्मेलन (सितंबर 2016), श्यामेन में BRICS शिखर सम्मेलन (सितंबर 2017), चिंगदाओ में SCO शिखर सम्मेलन (जून 2018) और हाल ही में तियानजिन में SCO शिखर सम्मेलन (1 सितंबर 2025) में हिस्सा लेने के लिए चीन की यात्रा की. राष्ट्रपति शी जिनपिंग अक्टूबर 2016 में गोवा में BRICS शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत आए थे. चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग सितंबर 2023 में G20 शिखर सम्मेलन के लिए भारत आए थे.

### अटल बिहारी वाजपेयी ने चीन के साथ समझौते पर किए थे हस्ताक्षर

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 2003 में चीन यात्रा के दौरान भारत और चीन ने 'संबंधों और व्यापक सहयोग के सिद्धांतों पर घोषणा' पर हस्ताक्षर किए. दोनों देशों ने सीमा विवाद के समाधान के लिए एक रूपरेखा तलाशने के उद्देश्य से विशेष प्रतिनिधियों (SRs) की नियुक्ति पर भी सहमति जताई. अप्रैल 2005 में चीन के प्रधानमंत्री वेन जियाबाओ की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों ने 'शांति और समृद्धि के लिए रणनीतिक और सहयोगी साझेदारी' स्थापित की.अप्रैल-मई 2020 में पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) पर हुई घटनाओं से द्विपक्षीय संबंधों पर प्रतिकूल असर पड़ा. इसके बाद दोनों नेताओं के बीच नवंबर 2022 में बाली में G20 शिखर सम्मेलन और अगस्त 2023 में जोहान्सबर्ग में BRICS शिखर सम्मेलन के दौरान संक्षिप्त बातचीत हुई.

## मुंबई में अमित शाह और एकनाथ शिंदे की मुलाकात

**मुंबई।** मुंबई में गृहमंत्री अमित शाह और महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के बीच मुलाकात हुई है. इस मुलाकात की एक तस्वीर भी सामने आई है. गृहमंत्री ने एशियाटिक सोसाइटी में जाने से पहले डिप्टी सीएम शिंदे से सह्याद्रि गेस्ट हाउस में भेंट की. दोनों के बीच करीब आधे घंटे की बातचीत हुई है. इसके अलावा वे एक ही कार में एशियाटिक सोसाइटी में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे हैं. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी सीधे कार्यक्रम स्थल पहुंचे हैं. एशियाटिक सोसाइटी के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा, 'मैं एशियाटिक सोसाइटी की बिल्डिंग में घुस रहा था तो विनय जी ने टिप्पणी कर दी कि पहली बार कोई गृहमंत्री एशियाटिक सोसाइटी में आ रहा है. लेकिन मैं यहां पर गृहमंत्री के नाते नहीं आया हूं. मैं यहां पर भारतीय ज्ञान परंपरा को सहस्त्र वर्षों के आंदोलन चलाने के रूप में आया हूं. मुझे मन पूर्वक श्रद्धा है कि आने वाले दिनों में एशियाटिक सोसाइटी मुंबई ज्ञान परंपरा का वाहक बनकर उसको देशभर में पहुंचाने का काम करेगी.' शाह ने कहा, 'जो राष्ट्र अपने ज्ञान परंपरा की रक्षा नहीं कर सकता, वो कितना भी शक्तिशाली हो उसे नष्ट होने समय नहीं लगता. जो राष्ट्र इन चीजों की रक्षा करता है, वो जितने भी साल गुलाम रहे, लेकिन उसको गुलाम नहीं बना सकते. भारत इसका उदाहरण है।

## रोहित शर्मा के शो में इन क्रिकेटरों की दिखेगी मस्ती

**नई दिल्ली।** भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और मौजूदा दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा का जल्द ही एक नया डेब्यू होने वाला है. 19 सितंबर से हिटमैन रियलिटी गेम शो 'फैमिली फुल हाउस' में नजर आएंगे. सोनी पर प्रसारित होने वाले इस शो के एक बाद एक प्रोमो जारी हो रहे हैं. किसी वीडियो में हिटमैन के साथ उनके साथी क्रिकेटर नजर आ रहे हैं, तो किसी वीडियो में उनके साथ फिल्म और टीवी जगत के स्टार दिखे. एक बात तो साफ हो गई है कि रोहित के शो में उनके साथी क्रिकेटरों की मस्ती भी देखने को मिलेगी. क्रिकेटरों के साथ-साथ टीम इंडिया के पूर्व कोच भी नजर आए. तो आइए जानते हैं कि कौन-कौन से क्रिकेटर देखने को मिल सकते हैं. अब सामने आए वीडियो में हिटमैन के साथ उनके साथी क्रिकेटर श्रेयस अय्यर, शार्दुल ठाकुर और टीम इंडिया के पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर भी दिखे. एक वीडियो में रोहित को मशहूर 'सहरी बाबू' डांस करते हुए भी देखा गया. कुछ साल पहले सोशल मीडिया पर रोहित शर्मा, शार्दुल ठाकुर और श्रेयस अय्यर के डांस का एक वीडियो काफी वायरल हुआ था. तीनों क्रिकेटर मशहूर गाने 'कोई सहरी बाबू दिल लहरी बाबू' पर डांस करते दिखे थे. शो में भी इस डांस को रीक्रिकेट किया गया. इस बार अभिषेक नायर भी उनके साथ दिखे.

## विजय हजारे ट्रॉफी में फिर दिखेगा कोहली का जलवा

**नई दिल्ली।** विराट कोहली पिछले घरेलू सीजन (2025-26) में दिल्ली के लिए विजय हजारे ट्रॉफी में खेलते हुए नजर आए थे. उन्होंने टूर्नामेंट में खेलकर फॉर्मेट के लिए अपनी प्रतिबद्धता दिखाई थी. अब सवाल उठ रहा है कि क्या कोहली आगामी घरेलू सीजन (2026-27) में भी दिल्ली के लिए विजय हजारे में खेलते हुए दिखेंगे? इस सवाल का जवाब दिल्ली एंड डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट के अध्यक्ष रोहन जेटली ने दिया. फिलहाल तो 27 सितंबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली जाने वाली वनडे सीरीज में कोहली की वापसी की उम्मीद है. BCCI ने अभी सीरीज के लिए भारतीय स्क्वॉड का एलान नहीं किया है. मेन इन ब्लू के लिए सिर्फ वनडे फॉर्मेट में उपलब्ध कोहली जुलाई में इंग्लैंड के खिलाफ खेलते हुए नजर आए थे. तीन मैचों की वनडे सीरीज में कोहली ने क्रमश: 05, 65 और 74 रन बनाए थे.

## सस्ते सोलर पर अमेरिका ने लगाया भारी टैक्स

**नई दिल्ली।** अमेरिका ने भारत, इंडोनेशिया और लाओस से आने वाले सोलर सेल और पैनल पर बड़ा झटका दिया है. U.S. Department of Commerce ने इन देशों से होने वाले सोलर आयात पर भारी एंटी-डंपिंग ड्यूटी और काउंटरवेलिंग ड्यूटी लगाई है. भारत के सोलर उत्पादों पर 123.04 फीसदी का एंटी-डंपिंग ड्यूटी लगाया गया है. अमेरिका का कहना है कि इन देशों के निर्माता अमेरिकी बाजार में सोलर उत्पाद कम कीमत पर बेच रहे थे और उन्हें सरकारों से ऐसी सब्सिडी मिल रही थी जिससे अमेरिकी कंपनियों को नुकसान हो रहा था. इस फैसले के बाद अब भारतीय सोलर कंपनियों के लिए अमेरिका में अपने प्रोडक्ट बेचना महंगा हो जाएगा. भारतीय प्रोडक्ट्स के लिए 123.04 फीसदी एंटी-डंपिंग ड्यूटी लगाया गया है. इंडोनेशिया के लिए ये 94.36 फीसदी और लाओस के लिए 65.43 फीसदी है. इसके अलावा काउंटरवेलिंग ड्यूटी भी लागू होगा.

# सचिन तेंदुलकर के 3 सबसे बड़े रिकॉर्ड तोड़ने के बेहद करीब हैं जो रूट

**नई दिल्ली।** जो रूट अपने करियर के ऐसे मुकाम पर हैं, जहां वो लगभग प्रत्येक मैच में एक नया कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं. पाकिस्तान के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच में उन्होंने टेस्ट में सचिन तेंदुलकर का सबसे ज्यादा फिफ्टी लगाने का रिकॉर्ड तोड़ दिया. तेंदुलकर ने अपने करियर में 68 फिफ्टी लगाई थीं, जबकि रूट अब तक 69 अर्धशतक लगा चुके हैं. खासतौर पर टेस्ट करियर की बात करें तो रूट 14000 से अधिक रन और 41 शतक जड़ चुके हैं. बेशक तेंदुलकर के की रिकॉर्ड अब भी अन्य सभी बल्लेबाजों से बेहतर हैं, लेकिन रूट उन्हें भी ध्वस्त करने के करीब आते जा रहे हैं. तो यहां सचिन तेंदुलकर के उन 3 रिकॉर्ड्स के बारे में जानिए, जो रूट जिन्हें तोड़ने के बेहद करीब आ गए हैं.

### टेस्ट में सबसे ज्यादा रन

यह चर्चा लंबे समय से चली आ रही है. सचिन तेंदुलकर ने अपने 200 टेस्ट मैचों के करियर में 15921 रन बनाए थे. दूसरी ओर जो रूट 169 मुकबलों में 14278 रन बना चुके हैं. रूट अब सचिन से केवल 1643 रन पीछे रह गए हैं. रूट जिस तरह की फॉर्म में हैं, उससे वह बहुत जल्द टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर सकते हैं.

15921 रन - सचिन तेंदुलकर

14278 रन - जो रूट

### टेस्ट में सबसे ज्यादा 50+ स्कोर

टेस्ट क्रिकेट में सचिन तेंदुलकर ने 119 बार किसी पारी में 50 या उससे अधिक स्कोर बनाया था. उन्होंने अपने करियर में 68 फिफ्टी और 51 शतक लगाए. जो रूट की बात करें तो उन्होंने अब तक अपने करियर में 110 पारियों में 50 या उससे ज्यादा स्कोर बनाया है. सबसे ज्यादा पारियों में 50+ स्कोर करने के मामले में रूट, तेंदुलकर से केवल 9 फिफ्टी पीछे हैं. 50+ स्कोर में अर्धशतक और शतक धोनी शामिल होते हैं.

### टेस्ट में डबल सेंचुरी

टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा डबल सेंचुरी लगाने का रिकॉर्ड सर डॉन ब्रैडमैन के नाम है, जिन्होंने 12 बार ऐसा किया था. सचिन तेंदुलकर और जो रूट ने अपने-अपने करियर में 6 बार दोहरा शतक लगाया है. रूट एक और डबल सेंचुरी लगाकर तेंदुलकर से आगे निकल जाएंगे.

## रणजी ट्रॉफी के लिए कप्तान नियुक्त हुए मोहम्मद सिराज

**नई दिल्ली।** भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज रणजी ट्रॉफी 2026-27 में हैदराबाद टीम की कप्तानी करेंगे. हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन ने शुक्रवार को इसका आधिकारिक एलान किया. बता दें कि रणजी ट्रॉफी के ग्रुप स्टेज मुकाबले 11 अक्टूबर से शुरू होंगे, हैदराबाद का पहला मैच त्रिपुरा के साथ है. हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन की सीनियर सिलेक्शन कमिटी ने शुक्रवार को रणजी ट्रॉफी 2026-27 सीजन के लिए कप्तान और उप-कप्तान के चयन के लिए बैठक की, जिसमें मोहम्मद सिराज को कप्तान और चामा मिलिंद को उपकप्तान बनाने पर फैसला हुआ. बता दें कि सिराज ने अपना फर्स्ट क्लास डेब्यू हैदराबाद के लिए 2015-16 रणजी ट्रॉफी सीजन में किया था. अगले सीजन (2016-17) में शानदार गेंदबाजी कर वह छा गए थे, जिससे उन्हें पहचान मिली. उस सीजन उन्होंने 41 विकेट लिए थे, वह हैदराबाद टीम के हाईएस्ट विकेट टेकर थे. 32 वर्षीय सिराज भारत के लिए तीनों फॉर्मेट खेलते हैं. सिराज भारत के लिए तीनों फॉर्मेट खेलते हैं, ऐसे में उनकी गैर-मौजूदगी में मिलिंद कमान संभालेंगे।

# पहले वंदे मातरम्, फिर जन गण मन, भारत-अफगानिस्तान मैच में नई पहल

**नई दिल्ली।** भारत और अफगानिस्तान के बीच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में तीन मैचों की टी20 सीरीज का पहला मुकाबला खेला जा रहा है. भारत ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया है. टॉस के बाद मैदान पर अनोखा नजारा देखने को मिला. भारतीय खिलाड़ियों ने पहले राष्ट्रगीत वंदे मातरम गाया. फिर परंपरा के मुताबिक, राष्ट्रगान जन गण मन गाया गया. पहले टी20 के टॉस के बाद, मैच शुरू होने से ठीक पहले 3 मिनट 10 सेकंड राष्ट्रगीत वंदे मातरम गाया गया. इसके बाद 52 सेकंड राष्ट्रगान जन गण मन गाया गया. इस दौरान अरुण जेटली स्टेडियम का नजारा देखने लायक था. सोशल मीडिया पर बीसीसीआई की इस नई पहल का वीडियो वायरल हो रहा है. क्रिकेट फैंस और सोशल मीडिया यूजर्स इसे काफी पसंद कर रहे हैं.

# फिर गरमाया टीम इंडिया का 'भगवा जर्सी' विवाद

**नई दिल्ली।** हॉकी वर्ल्ड कप 2026 के दौरान टीम इंडिया की 'भगवा जर्सी' पर खूब बवाल मचा था. अब हॉकी इंडिया ने डायरेक्टर जनरल कमांडर आरके श्रीवास्तव से तत्काल प्रभाव से सारे अधिकार छीन लिए हैं. हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने अपने वकील के जरिए नोटिस भेजा है, जिसमें श्रीवास्तव पर 8 अलग-अलग गंभीर आरोप लगाए गए हैं. श्रीवास्तव को अपना जवाब देने के लिए 4 सप्ताह का समय दिया गया है. नोटिस के अनुसार आरके श्रीवास्तव से वे सभी अधिकार तत्काल प्रभाव से छीन लिए गए हैं, जो हॉकी इंडिया के डायरेक्टर जनरल पद पर रहते उनके पास थे. नियमों के मुताबिक अगला फैसला आने तक श्रीवास्तव अपने किसी भी अधिकार का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे और ना ही कोई काम कर पाएंगे. भारतीय हॉकी टीम लंबे अरसे से नीली जर्सी पहन कर खेलती आई है. मगर हॉकी वर्ल्ड कप में अचानक जर्सी का रंग बदलकर भगवा कर दिया गया, जो काफी चर्चा में भी रहा।

## Zomato पर खाना ऑर्डर करना हुआ और महंगा

**नई दिल्ली।** अगर आप भी Zomato से खाना ऑर्डर करते समय ऑनलाइन पेमेंट के बजाय कैश में पेमेंट करना पसंद करते हैं, तो अब आपको इसके लिए ज्यादा रकम देने पड़ सकते हैं. कंपनी ने कैश ऑन डिलीवरी यानी CoD से ऑर्डर करने वाले ग्राहकों से एक्स्ट्रा चार्ज लेना शुरू कर दिया है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह चार्ज काम से कम 5 रुपए है, जबकि कुछ जगहों पर यह रकम करीब 20 रुपये तक पहुंच रही है. ऐसे में आइए जानते हैं Zomato के इस नए चार्ज से जुड़ी खास बातें. Zomato ने Cosh on Delivery (CoD) वाले कुछ ऑर्डर पर एक्स्ट्रा चार्ज लेना शुरू किया है. कई सोशल मीडिया यूजर्स ने इस चार्ज की जानकारी शेयर की है.इस चार्ज की शुरुआती कीमत काम से कम 5 रुपए बताया जा रहा है. वहीं कुछ ग्राहकों के मुताबिक, अलग-अलग जगहों पर यह चार्ज करीब 20 रुपए है. यानी ऑनलाइन पेमेंट के बजाय कैश में पेमेंट करना अब आपकी जेब पर भारी पड़ सकता है.

# ATM से खराब नोट निकले तो क्या करें?

**नई दिल्ली।** आपने अक्सर यह देखा होगा कि कभी-कभी ATM से रकम निकालने के दौरान कटे-फटे नोट निकल जाते हैं. ऐसे में ज्यादातर लोगों को यह लगता है कि ATM से खराब नोट निकलने के बाद अब उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है. अगर ATM से पैसे निकालते समय आपके हाथ में भी कटे-फटे नोट या गंदे नोट आ जाएं, तो परेशान होने की जरूरत नहीं है. क्योंकि इसके लिए रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) ने नियम तय कर रखें. ऐसे नोट मिलने पर आप बैंक से संपर्क करके उन्हें बदलवा सकते हैं. लेकिन इसके लिए सही प्रोसेस जानना बेहद जरूरी है, ताकि बैंक में आपको किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े.

RBI के मुताबिक, सबसे पहले उस बैंक की शाखा से जल्द से जल्द संपर्क करें, जिस बैंक के ATM से आपने पैसे निकाले हैं. साथ ही इसके लिए बैंक को एक लिखित आवेदन देकर ATM से कैश निकालने की तारीख, समय,स्थान और निकाली गई रकम की जानकारी दें. अगर ATM से मिली ट्रांजैक्शन स्लिप आपके पास है, तो उसकी कॉपी या स्लिप आवेदन के साथ जमा करें. वहीं अगर आपके पास स्लिप मौजूद नहीं है, तो मोबाइल पर आया बैंक का SMS या ट्रांजैक्शन की जानकारी भी प्रमाण के तौर पर दिखाई जा सकती है.

### एक बार में कितने नोट बदलवा सकते हैं?

RBI के नियमों के मुताबिक, सामान्य तौर पर एक बार में आप अधिकतम 20 नोट बदलने के लिए बैंक में दे सकते हैं. लेकिन ध्यान रहें कि इन सभी नोटों की कुल कीमत 5,000 रुपये से ज्यादा न हो. ऐसे में अगर आपकी नोटों की संख्या या कुल रकम इससे ज्यादा है, तो बैंक के नियमों के मुताबिक अलग प्रोसेस अपनाई जा सकती है. इसलिए बैंक जाने से पहले नोटों की संख्या और उनकी कुल वैल्यू जरूर चेक करें. फटे या गंदे को बदलने के लिए बैंक की ओर से आपसे अलग से कोई फीस नहीं लिया जाना चाहिए. इसलिए अगर कोई व्यक्ति इस सेवा के लिए आपसे एक्स्ट्रा पैसे मांगता है, तो इसकी जानकारी को लेकर आप शिकायत की जा सकती है. अगर आपने ATM से खराब नोट निकलने के बाद बैंक में शिकायत की है, लेकिन बैंक आपकी शिकायत पर कारवाई नहीं करता है या नोट बदलने से इनकार करता है, तो आप RBI के शिकायत निवारण सिस्टम के जरिए शिकायत दर्ज कर सकते हैं.

### खर्च करने में मुंबई-दिल्ली छूटे पीछे

# चंडीगढ़ है देश का सबसे ज्यादा खर्चीली शहर

**नई दिल्ली।** भारत में जब ज्यादा खर्च करने वाले शहरों की बात होती है, तो आमतौरपर मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु जैसे बड़े महानगरों का नाम सामने आता है. लेकिन एक नई रिपोर्ट ने इस तस्वीर को थोड़ा बदल दिया है. प्रति परिवार औसत खर्च के मामले में छोटे और मझोले शहर कई बड़े महानगरों से आगे निकल गए हैं. 'द मेनी अर्बन इंडियाज' रिपोर्ट के मुताबिक, चंडीगढ़ सबसे ऊपर है, जबकि तिरुवनंतपुरम दूसरे नंबर पर है. हालांकि, रिपोर्ट के अनुसार, अमृतसर, अहमदाबाद और जबलपुर में भी परिवारों का औसत खर्च मुंबई के परिवारों से काफी ज्यादा है. लेकिन कुल उपभोग बाजार के मामले में बड़े महानगर अभी भी आगे हैं, क्योंकि वहां परिवारों की संख्या ज्यादा है.

### सबसे ज्यादा खर्च करने वाले शहर कौन से हैं?

चंडीगढ़ प्रति परिवार औसत उपभोग के मामले में सबसे आगे है. वहीं, तिरुवनंतपुरम अभी दूसरे स्थान पर है. अमृतसर, अहमदाबाद और जबलपुर में भी औसत घरेलू खर्च मुंबई से ज्यादा बताया गया है. हालांकि, चंडीगढ़ की औसत सालाना घरेलू आय करीब 28.3 लाख रुपये बताई गई है. यहां परिवारों का खर्च भी देश के दूसरे शहरों के मुकाबले में काफी ज्यादा है.

### मुंबई-दिल्ली क्यों नहीं हैं टॉप पर?

इस रिपोर्ट का मतलब यह नहीं है कि मुंबई या दिल्ली की खर्च करने की क्षमता कम हो गई है. आबादी और ज्यादा कमाई वाले परिवारों की संख्या बहुत ज्यादा होने की वजह से यह देश के सबसे बड़े उपभोक्ता बाजारों में शामिल हैं. बताया जा रहा है कि मुंबई में एक औसत परिवार की सालाना आय करीब 24.2 लाख रुपये है और वह करीब 14 लाख रुपये खर्च करता है. दिल्ली-NCR में करीब 75 लाख परिवार हैं, जबकि मुंबई में करीब 46-47 लाख परिवार हैं. इसी बड़े परिवार के आधार की वजह से महानगर कुल खर्च के मामले में आगे रहते हैं.

### भारत के 100 शहरों में कितना होता है खर्च?

रिपोर्ट के मुताबिक, देश के टॉप 100 शहर मिलकर सालाना करीब 844 अरब डॉलर का उपभोक्ता बाजार बनाते हैं. बड़ी बात यह है कि भारत की कुल आबादी का करीब 19% हिस्सा इन शहरों में रहता है, लेकिन ये शहर देश की इनकम और खपत में काफी बड़ी हिस्सेदारी रखते हैं. वहीं आंकड़े में बताया गया कि इन 100 शहरों में एक औसत परिवार का सालाना घरेलू खर्च करीब 12.1 लाख रुपये है. यानी भारत की शहरी अर्थव्यवस्था में अब सिर्फ बड़े महानगर ही नहीं, बल्कि छोटे और तेजी से विकसित शहर भी शामिल हैं.

## शेयर बाजार का समय बदलने सेबी ने रखा प्रस्ताव

**नई दिल्ली।** अगर आप भी शेयर बाजार में निवेश करते है, तो ट्रेडिंग टाइम से जुड़ी यह खबर आपके काम की है. Securities and Exchange Board of India (SEBI) ने शेयर बाजार के आखिरी कारोबारी समय और क्लोजिंग ऑक्शन सेशन (CAS) को लेकर बदलाव का सुझाव हैं. इसके लिए बाजार बंद होने के समय और इक्विटी डेरिवेटिव्स यानी F&O की ट्रेडिंग विंडो को लेकर दो ऑप्शन पेश किए हैं. हालांकि, अभी शेयर बाजार की टाइमिंग में कोई बदलाव नहीं हुआ है. फिलहाल शेयर बाजार की टाइमिंग पहले की तरह ही रहेगी. ऐसे में अगर यह सुझाव लागू होता है तो शेयर बाजार की ट्रेडिंग टाइमिंग में क्या बदलाव देखने को मिल सकता है.

SEBI ने क्लोजिंग ऑक्शन सेशन (CAS) और इक्विटी डेरिवेटिव्स मार्केट के लिए दो अलग-अलग टाइमिंग का ऑप्शन रखा है. ऑप्शन A: ऑप्शन A के तहत कैश मार्केट में सामान्य ट्रेडिंग दोपहर 3:30 बजे तक जारी रहेगा. इसके बाद क्लोजिंग ऑक्शन सेशन 3:31 बजे से 3:40 बजे तक चलेगा. वहीं, फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस (F&O) सेगमेंट में ट्रेडिंग का समय 3:45 बजे तक जारी रखा जा सकता है. इस ऑप्शन में मौजूदा ट्रेडिंग समय के मुकाबले आखिरी समय की प्रक्रिया में बदलाव किया जाएगा.

# 17 सितंबर को 25 लाख दीयों से जगमगाएगा रायपुर

## मरीन ड्राइव में होगा भव्य दीप प्रज्वलन कार्यक्रम, सेवा संकल्प अभियान में जुड़ने की अपील



**रायपुर।** सेवा संकल्प अभियान के तहत 17 सितंबर को रायपुर में 25 लाख दीयों से रोशनी की जाएगी। शाम 7 बजे होने वाले इस आयोजन में शहर के अलग-अलग हिस्सों से लोग दीप लेकर शामिल होंगे। आयोजन को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी है। इस कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने शनिवार रात मरीन ड्राइव पहुंचकर कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से आयोजन की तैयारियों की जानकारी ली और सभी व्यवस्थाएं तय समय में पूरी करने के निर्देश दिए।कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने बीती रात मरीन ड्राइव पहुंचकर कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया।कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने बीती रात मरीन ड्राइव पहुंचकर कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया।

कलेक्टर ने कार्यक्रम में आने वाले लोगों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए व्यवस्था करने को कहा। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान भीड़ प्रबंधन, आवागमन और अन्य जरूरी व्यवस्थाओं को बेहतर तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए, जिससे आयोजन सुचारु रूप से हो सके। कलेक्टर ने कार्यक्रम में आने वाले लोगों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए व्यवस्था करने को कहा। 17 सितंबर की शाम रायपुर में एक साथ 25 लाख दीप जलाए जाएंगे। जिला प्रशासन ने नागरिकों से इस आयोजन में शामिल होने की अपील की है। लोगों से शाम 7 बजे दीप लेकर पहुंचने और सशक्त रायपुर, सशक्त छत्तीसगढ़ और सशक्त भारत के लिए एक दीप जलाने की अपील की गई है। इस निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत कुमार बिश्वरंजन, पुलिस डीसीपी (जोन मध्य) तारकेश्वर पटेल, डीसीपी ट्रैफिक डॉ. अर्चना झा, अपर संचालक जनसंपर्क उमेश मिश्रा, अपर कलेक्टर कीर्तिमान सिंह राठौर, संयुक्त संचालक जनसंपर्क पवन गुप्ता, एडिशनल डीसीपी विवेक शुक्ला, एसडीएम रायपुर नंदकुमार चौबे सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।





### सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों को समय पर पूरा करें : कलेक्टर

**शहर सत्ता/रायपुर।** कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित होने वाले दीपोत्सव की तैयारियां समय रहते पूरी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से तैयारियां सुनिश्चित करें।कलेक्टर ने आज रेडक्रॉस सभाकक्ष में समय-सीमा की फॉलोअप बैठक लेकर जिले में संचालित योजनाओं एवं विभिन्न शासकीय कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।बैठक में कलेक्टर ने पीएमएवाई के प्रकरणों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि लाभार्थियों को बुलाकर योजना से संबंधित आवश्यक जानकारी दी जाए और प्रकरणों के निराकरण में किसी प्रकार की लापरवाही न हो।उन्होंने अभनपुर एसडीएम द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए अन्य एसडीएम को भी इसी तरह प्रभावी ढंग से कार्य करने के निर्देश दिए।कलेक्टर ने सभी एसडीएम को आरआरसी वसूली की कार्रवाई में तेजी लाने तथा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने को कहा। पीएम किसान सम्मान निधि से संबंधित कोई भी प्रकरण लंबित नहीं रहना चाहिए।डॉ. सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, राशन कार्ड सहित लोक सेवा गारंटी से जुड़े सभी आवेदनों का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण करें।




### राष्ट्रीय पर्यटन मंच पर छत्तीसगढ़ की गूंज

**शहर सत्ता/रायपुर।** छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक खूबसूरती, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और जनजातीय परंपराओं ने एक बार फिर राष्ट्रीय पर्यटन मंच पर अपनी अलग पहचान दर्ज कराई है। विशाखापट्टनम में आयोजित 41वें इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स (IATO) के वार्षिक सम्मेलन में छत्तीसगढ़ के पर्यटन विकास की संभावनाओं और भविष्य की दिशा पर विस्तार से चर्चा हुई। देशभर से जुटे पर्यटन विभागों, यात्रा संचालकों और पर्यटन उद्योग से जुड़े प्रतिनिधियों के बीच छत्तीसगढ़ की विविधतापूर्ण पर्यटन क्षमता को सामने रखने का अवसर मिला। सम्मेलन के दौरान प्रदेश की पर्यटन संभावनाओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए जाने के साथ छत्तीसगढ़ को 'Best Emerging Tourist Destination' के प्रतिष्ठित सम्मान से भी नवाजा गया। विशाखापट्टनम स्थित नोवोटेल वरुण बीच में 10 से 13 सितंबर तक आयोजित चार दिवसीय सम्मेलन की मुख्य विषय-वस्तु 'भारत—विश्व के पर्यटन अवसरों का अगला बड़ा केंद्र' रही। सम्मेलन में देश में पर्यटन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने, नए पर्यटन स्थलों को विकसित करने तथा पर्यटन कारोबार को बढ़ावा देने से जुड़े विभिन्न विषयों पर मंथन किया गया। इस राष्ट्रीय मंच पर छत्तीसगढ़ ने अपनी पर्यटन विविधता और संभावनाओं को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करते हुए देश के पर्यटन मानचित्र पर अपनी बढ़ती उपस्थिति को रेखांकित किया। सम्मेलन के विभिन्न सत्रों में छत्तीसगढ़ के पर्यटन विकास की दिशा, प्रदेश की विशेषताओं और यहां मौजूद पर्यटन अवसरों को प्रमुखता से रखा गया।

### सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों पर खनिज विभाग का त्वरित एक्शन

**शहर सत्ता/रायपुर।** जीपीएम जिले में अवैध खनन एवं खनिजों के अवैध परिवहन के खिलाफ खनिज विभाग द्वारा लगातार सख्ती से कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए खनिज विभाग के अमले ने अवैध परिवहन में संलिप्त 4 ट्रैक्टर एवं 1 हाईवा वाहन जप्त किया है। विभाग की इस कार्रवाई से अवैध रूप से खनिजों के उत्खनन एवं परिवहन में लगे लोगों में हड़कंप मचा है। खनिज विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, सिवनी क्षेत्र में रेत के अवैध परिवहन में संलिप्त 2 ट्रैक्टरों को जप्त किया गया। इसी तरह मजगवां से 1 ट्रैक्टर, पड़वनिया से मिट्टी (ईंट) के अवैध परिवहन में संलिप्त 1 ट्रैक्टर तथा पकरिया से गिट्टी के अवैध परिवहन में संलिप्त 1 हाईवा वाहन को जप्त किया गया है।जप्त किए गए वाहनों को नियमानुसार सुरक्षित स्थानों पर रखा गया है। इनमें 2 ट्रैक्टरों को सिवनी चौकी, जबकि 2 ट्रैक्टर एवं 1 हाईवा वाहन को अमरपुर पुलिस लाइन में सुरक्षित रखा गया है।

### बिहान की सोलर दीदियों ने बढ़ाया आत्मनिर्भरता की ओर कदम

**शहर सत्ता/रायपुर।** छत्तीसगढ़ सहित देश के कई राज्यों में ग्रामीण स्व-सहायता समूह से जुड़ी महिलाएं पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा पहलों के तहत सोलर दीदी के रूप में अपनी एक मजबूत पहचान बना रही हैं। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) से जुड़ी स्व-सहायता समूहों की महिलाएं अब सोलर दीदी के रूप में पहचान बना रही हैं। ""सोलर दीदी हर घर रोशनी, हर हाथ रोजगार" के संकल्प के साथ यह पहल ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को मजबूती प्रदान करेगा। सेवा संकल्प को आदर्श मानकर यह पहल ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को मजबूती प्रदान करेगा। बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के विकासखंड बलौदाबाजार के ग्राम दसरमा में हितग्राही तारनी घृतलहरे के घर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर पैनल सिस्टम सफलतापूर्वक स्थापित किया गया है।

# प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वैश्विक मंच पर सशक्त हुई भारत की भूमिका : मुख्यमंत्री

## BRICS की अध्यक्षता भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा और नेतृत्व क्षमता का प्रमाण



**रायपुर।** मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सशक्त और दूरदर्शी नेतृत्व में भारत आज विश्व पटल पर एक विश्वसनीय और प्रभावशाली शक्ति के रूप में उभरा है। वर्ष 2026 में BRICS की अध्यक्षता और 18वें BRICS शिखर सम्मेलन की मेजबानी भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा और नेतृत्व क्षमता का परिचायक है।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह प्रत्येक भारतवासी के लिए गौरव का अवसर है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत आज न केवल अपने राष्ट्रीय हितों को मजबूती से आगे बढ़ा रहा है, बल्कि विकासशील देशों और ग्लोबल साउथ की आकांक्षाओं को भी वैश्विक मंचों पर सशक्त स्वर दे रहा है।

उन्होंने कहा कि "Building Resilience, Innovation, Cooperation, and Sustainability" की थीम के साथ भारत की BRICS अध्यक्षता वैश्विक सहयोग, नवाचार और सतत विकास को नई दिशा देने का महत्वपूर्ण अवसर है। भारत का दृष्टिकोण सदैव दुनिया को साथ लेकर चलने और साझा प्रगति के नए मार्ग तैयार करने का रहा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत ने आतंकवाद के विरुद्ध वैश्विक मंचों पर सदैव स्पष्ट और दृढ़ रुख रखा है। साथ ही डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, वित्तीय समावेशन और तकनीक के माध्यम से जनसामान्य के जीवन में बदलाव का भारत का मॉडल आज दुनिया के लिए प्रेरणा बन रहा है। BRICS जैसे मंच इन अनुभवों और विकास की संभावनाओं को साझा करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं।

श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका देश और राज्यों के लिए निवेश, प्रौद्योगिकी, नवाचार और रोजगार के नए अवसर भी लेकर आ रही है। विकसित भारत के संकल्प के अनुरूप छत्तीसगढ़ भी विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को भारत की BRICS अध्यक्षता के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि भारत का नेतृत्व वैश्विक सहयोग को मजबूत करने, ग्लोबल साउथ की आवाज को सशक्त बनाने और साझा समृद्धि के नए मार्ग प्रशस्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

### कलेक्टर गौरव सिंह के निर्देशानुसार ग्राम फुण्डहर में अवैध कब्जे पर जिला प्रशासन की कार्यवाही

**शहर सत्ता/रायपुर।** कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देशानुसार ग्राम फुण्डहर के खसरा क्रमांक 54/127 के रकबा 0.0352 हेक्टेयर भूमि पर संजय अग्रवाल पिता राधेश्याम अग्रवाल, शंकर नगर निवासी द्वारा किए गए अवैध कब्जे पर आज प्रशासन ने बुलडोजर कार्रवाई की।उक्त कार्यवाही नायब तहसीलदार सुश्री ज्योति सिंह के नेतृत्व में राजस्व विभाग, नगर पालिक निगम एवं पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर अवैध कब्जा हटाया गया।कार्यवाही के पश्चात उक्त भूमि को विधिवत रूप से भूमि स्वामी यशोदा एसोसिएट एवं पार्टनर योगेश आहूजा को सौंपी गई। कानून का खाका तैयार करने में समाज के हर तबके की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए समिति ने एक व्यापक रूपरेखा तैयार की है। इन बैठकों में राजनीतिक दलों, सामाजिक व धार्मिक संगठनों, शिक्षाविदों, पद्म श्री सम्मान से अलंकृत हस्तियों, निगम-मंडल व आयोगों के प्रतिनिधियों तथा प्रतिष्ठित व विशिष्ट नागरिकों को खासतौर पर आमंत्रित किया गया है। इस कवायद का मुख्य उद्देश्य एक ऐसा समावेशी ड्राफ्ट तैयार करना है, जो विधिक और सामाजिक दोनों पैमानों पर राज्य के हर नागरिक के हितों का संरक्षण कर सके।

# प्रोजेक्ट अनुभव के तहत मॉक इंटरव्यू

## अभ्यर्थियों को मिल रहा प्रशासनिक सेवा साक्षात्कार का अनुभव

**शहर सत्ता/रायपुर।** मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देश एवं कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन रायपुर द्वारा संचालित 'प्रोजेक्ट अनुभव' के तहत सीजीपीएससी राज्य सेवा परीक्षा के अभ्यर्थियों को साक्षात्कार की बेहतर तैयारी के लिए लगातार मार्गदर्शन दिया जा रहा है। इसी क्रम में आज नेतृत्व साधना केंद्र, फुंडहर में 19 अभ्यर्थियों का निःशुल्क मॉक इंटरव्यू आयोजित किया गया।

मॉक इंटरव्यू में प्रशासनिक सेवा के अनुभवी अधिकारियों, सेवानिवृत्त अधिकारियों, शिक्षाविदों एवं विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने पैनल सदस्य के रूप में अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया। विशेषज्ञों ने अभ्यर्थियों की व्यक्तित्व क्षमता, आत्मविश्वास, संवाद शैली, विषयगत ज्ञान, समसामयिक घटनाओं की समझ और प्रशासनिक दृष्टिकोण का आकलन किया। साक्षात्कार के बाद अभ्यर्थियों को उनकी कमियों और बेहतर प्रदर्शन के लिए आवश्यक सुधारों के संबंध में व्यक्तिगत फीडबैक भी दिया गया।

अनुभवी विशेषज्ञों ने लिया मॉक इंटरव्यू में मॉक इंटरव्यू के पैनल में सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी श्री संजय अलंग, आईएएस एवं सीईओ जिला पंचायत श्री कुमार विश्वरंजन, संचालक खेल एवं युवा कल्याण सुश्री आकांक्षा सिंह, अपर कलेक्टर श्री कीर्तिमान सिंह राठौर, संयुक्त कलेक्टर श्री के.एम. अग्रवाल, सेवानिवृत्त एडीएम श्री एस.एल. नायक, लेखक एवं सेवानिवृत्त एडीएम श्री संजीव बक्शी, सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक श्री राहुल सिंह, श्री भुवाल सिंह, प्रोफेसर श्री बृज किशोर प्रसाद, उप संचालक वित्त श्री बी.के. नायक, सीटीओ श्रीआभाष सिंह ठाकुर, जीएम डीआईसी श्री अमय त्रिपाठी एवं डिप्टी कलेक्टर श्री स्वप्निल वर्मा सहित विशेषज्ञ शामिल रहे। मॉक इंटरव्यू के दौरान विशेषज्ञों ने अभ्यर्थियों से प्रशासन, छत्तीसगढ़, समसामयिक विषयों, उनके शैक्षणिक एवं व्यक्तिगत अनुभवों तथा प्रशासनिक परिस्थितियों से जुड़े प्रश्न पूछे। इंटरव्यू के बाद विशेषज्ञों ने प्रत्येक अभ्यर्थी को उनकी प्रस्तुति, उत्तर देने के तरीके और व्यक्तित्व से जुड़े पहलुओं पर सुझाव दिए।

# रायपुर के नवाचारों को देखने पहुंची असम की टीम

**रायपुर।** रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश तथा कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के मार्गदर्शन में रायपुर जिला प्रशासन द्वारा आम लोगों की सुविधा और बेहतर सेवाओं के लिए किए जा रहे नवाचारों और पहलों को देखने के लिए असम से एक टीम रायपुर पहुंची।टीम ने जिले में चल रहे अलग-अलग नवाचारों को देखा और उनके काम करने के तरीके को करीब से समझा। असम की टीम ने प्रोजेक्ट पुनर्जीवन, बीपीओ, प्रोजेक्ट सुरक्षा, कलेक्टर जनदर्शन, कॉल सेंटर, दिव्यांग गैरेज, प्रोजेक्ट पालना, तक्षशिला लाइब्रेरी, प्रोजेक्ट लाइफस्टाइल, प्रोजेक्ट रचना, आईटीआई सड्डू, नुक्कड़ कैफे, प्रोजेक्ट अजा, नालंदा परिसर और कला केंद्र सहित कई महत्वपूर्ण स्थानों का भ्रमण किया।

इस दौरान अधिकारियों ने टीम को बताया कि इन योजनाओं की शुरुआत क्यों की गई, ये कैसे काम करती हैं और इनसे आम लोगों को किस तरह लाभ मिल रहा है। टीम ने मौके पर इन पहलों को देखा और संबंधित अधिकारियों से जानकारी भी ली। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री कुमार बिश्वरंजन उपस्थित थे।असम की टीम ने रायपुर में किए जा रहे इन प्रयासों की सराहना की। टीम के सदस्यों ने कहा कि स्थानीय जरूरतों को ध्यान में रखकर शुरू किए गए ये नवाचार लोगों के लिए सुविधाएं बढ़ाने और सरकारी सेवाओं को बेहतर बनाने में उपयोगी साबित हो रहे हैं।टीम ने कहा कि रायपुर में किए जा रहे कई अच्छे प्रयोगों से उन्हें सीखने का अवसर मिला है। इनसे मिले अनुभव और विचारों को असम में भी जरूरत के अनुसार लागू करने का प्रयास किया जाएगा। असम से आए प्रतिनिधिमंडल ने रायपुर जिला प्रशासन और छत्तीसगढ़ शासन का सहयोग, मार्गदर्शन और आतिथ्य के लिए आभार व्यक्त किया।

# गणेशमय हुई राजधानी

**रायपुर (शहर सत्ता)।** भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी के पावन पर्व से पूर्व छत्तीसगढ़ की संस्कारधानी और राजधानी रायपुर पूरी तरह गणेशोत्सव के रंग में रंग चुकी है। 'गणपति बप्पा मोरया, मंगल मूर्ति मोरया' के गगनभेदी जयकारों, पारंपरिक ढोल-ताशों की गूंज और आतिशबाजी के बीच विघ्नहर्ता भगवान गणेश के स्वागत का सिलसिला तेज हो गया है। शहर के चौक-चौराहों, मुख्य मार्गों और कॉलोनियों में भव्य पंडाल सजकर तैयार हैं। मूर्तिकारों के कार्यशालाओं से लेकर विभिन्न उत्सव समितियों के पंडालों तक सिर्फ और सिर्फ बप्पा के आगमन का उल्लास नजर आ रहा है। सोमवार को शुभ मुहूर्त में वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ भगवान श्रीगणेश की प्रतिमाओं की प्राण-प्रतिष्ठा की जाएगी।

## इको-फ्रेंडली और माटी के गणेश को प्राथमिकता

इस वर्ष रायपुर में पर्यावरण के प्रति जागरूकता का स्पष्ट असर दिख रहा है। प्रशासन और सामाजिक संस्थाओं की अपील के बाद समितियों और आम नागरिकों ने प्लास्टर ऑफ पेरिस (POP) के स्थान पर लाल माटी, गोबर और प्राकृतिक रंगों से बनी इको-फ्रेंडली प्रतिमाओं को तरजीह दी है:

मूर्तिकार संघ के अनुसार, इस बार 80 प्रतिशत से अधिक घरों और छोटी समितियों ने घुलनशील मिट्टी से तैयार मूर्तियों की अग्रिम बुकिंग की है। कई पंडालों में 'सीड गणेश' (बीजयुक्त प्रतिमाएं) भी आकर्षण का केंद्र हैं, जिनका विसर्जन गमलों में कर पौधे उगाए जाएंगे।

## इन प्रमुख इलाकों में अभूतपूर्व रौनक

रायपुर के पारंपरिक और आधुनिक दोनों ही क्षेत्रों में गणेश चतुर्थी को लेकर विशेष तैयारियां हैं:

**सत्ती बाजार और पुरानी बस्ती:** रायपुर के सबसे पुराने सांस्कृतिक केंद्रों में शुमार सत्ती बाजार, कंकालीपारा और पुरानी बस्ती में पारंपरिक मिट्टी की मूर्तियों की स्थापना की जा रही है। यहां पीढ़ियों से स्थापित होने वाली ऐतिहासिक प्रतिमाओं के दर्शन के लिए दूर-दराज से लोग पहुंच रहे हैं।

**गुढ़ियारी और पड़ाव क्षेत्र:** गुढ़ियारी का दही हांडी मैदान और आसपास के इलाके अपने विशालकाय पंडालों और भव्य विद्युत सज्जा के लिए तैयार हैं। यहां सुरक्षा और कतारबद्ध दर्शन के लिए बैरिकेडिंग का व्यापक इंतजाम किया गया है।

**समता कॉलोनी और चौबे कॉलोनी:** पश्चिमी रायपुर के इन प्रमुख रिहायशी इलाकों में थीम-आधारित पंडाल बनाए गए हैं। यहां स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और जल संरक्षण का संदेश देती प्रतिमाएं स्थापित की जा रही हैं।

**जयस्तंभ चौक, मालवीय रोड और पंडरी:** व्यापारिक केंद्रों में व्यापारियों की ओर से पंडाल सजाए गए हैं। देर रात तक रोशनी से जगमगाते बाजारों में पूजन सामग्री, फल, मोदक और सजावटी सामानों की भारी खरीदारी हो रही है।




## सुरक्षा और यातायात के पुख्ता इंतजाम

त्योहार के दौरान शहर में शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए रायपुर जिला प्रशासन और पुलिस विभाग पूरी तरह मुस्तैद है। प्रमुख पंडालों के आसपास सीसीटीवी कैमरों से 24 घंटे निगरानी की जा रही है। भीड़भाड़ वाले मुख्य बाजारों—जैसे मालवीय रोड, सदर बाजार और जयस्तंभ चौक—पर यातायात पुलिस ने विशेष डायवर्जन प्लान लागू किया है ताकि जाम की स्थिति न बने। पंडाल समितियों को अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता, प्राथमिक चिकित्सा किट और वालंटियर्स की तैनाती के सख्त निर्देश दिए गए हैं। कल सुबह शुभ मुहूर्त के साथ ही राजधानी के हजारों पंडालों और लाखों घरों में बप्पा विराजेंगे, जिसके साथ ही अगले दस दिनों तक रायपुर भक्ति, उल्लास और मंगलकामनाओं के वातावरण में डूबा रहेगा।

## 'फेस रिवील' का नया ट्रेंड

इस बार रायपुर के गणेशोत्सव में तकनीकी और सोशल मीडिया का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। प्रमुख समितियों द्वारा प्रतिमाओं को पंडाल में लाते समय चेहरे को कपड़े से ढंककर रखा गया और फिर भव्य आतिशबाजी व 'धुमाल' की थाप के बीच 'फेस रिवील' किया गया। कालीबाड़ी, गुढ़ियारी और समता कॉलोनी की कई बड़ी मूर्तियों के अनावरण के वीडियो इंस्टाग्राम और फेसबुक पर ट्रेंड कर रहे हैं। हजारों युवा इन पलों को अपने कैमरों में कैद कर सोशल मीडिया पर साझा कर रहे हैं। बप्पा के सौम्य और रौद्र दोनों रूपों के दर्शन को लेकर श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्सुकता देखी जा रही है।

# गूंजा तीजा तिहार का उल्लास, मुख्यमंत्री ने बहनों संग साझा की पर्व की खुशियां

**रायपुर।** तीजा तिहार के उल्लास के बीच बिलासपुर का बहतराई स्टेडियम छत्तीसगढ़ी संस्कृति और परंपराओं के रंग में सराबोर नजर आया। पारंपरिक वेशभूषा में बड़ी संख्या में पहुंचीं माताओं-बहनों के बीच मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने तीजा तिहार की खुशियां साझा कीं और उन्हें पर्व की अग्रिम बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने भगवान शिव और माता पार्वती से प्रदेश की सभी बहनों के सुखी, समृद्ध और खुशहाल जीवन की कामना की।

## प्रदेश की बहनें आत्मनिर्भरता की नई कहानी लिख रहीं, 13.85 लाख से अधिक महिलाएं बनीं लखपति दीदी

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि तीजा हमारी समृद्ध लोकसंस्कृति का पावन पर्व है, जिसमें हमारी माताओं-बहनों का प्रेम, आस्था और परिवार की खुशहाली की कामना समाहित है। छत्तीसगढ़ की संस्कृति और परंपराओं में तीजा का विशेष स्थान है। इस पर्व पर विवाहित बेटियों के मायके आने और परिवार के साथ पर्व मनाने की हमारी परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है। हमारी माताएं और बहनें भगवान शिव एवं माता पार्वती की आराधना कर अपने परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना करती हैं। ऐसे पर्व हमारी परंपराओं को जीवंत रखने के साथ परिवार और समाज के आत्मीय रिश्तों को भी मजबूत बनाते हैं। मुख्यमंत्री श्री साय आज बहतराई स्टेडियम में आयोजित भव्य तीजा मिलन समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, विधायक श्री अमर अग्रवाल, श्री धरमलाल कौशिक, श्री सुशांत शुक्ला, श्रीमती भावना बोहरा सहित अनेक जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में माताएं-बहनें उपस्थित थीं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति में नारी शक्ति को सदैव सम्मान का सर्वोच्च स्थान मिला है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तीकरण की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। घर-घर शौचालय निर्माण से महिलाओं की गरिमा और सुविधा सुनिश्चित हुई है। राशन कार्ड महिलाओं के नाम पर बनाए गए हैं। छत्तीसगढ़ में महतारी वंदन योजना के माध्यम से 68 लाख से अधिक माताओं-बहनों को नियमित आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। अब तक योजना की 31 किश्तों का भुगतान किया जा चुका है। यह आर्थिक सहायता बहनों को अपनी छोटी-बड़ी आवश्यकताओं के लिए आत्मनिर्भर बनाने के साथ परिवार में उनकी भूमिका को और मजबूत कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ की महिलाएं केवल शासकीय योजनाओं की लाभार्थी नहीं हैं, बल्कि प्रदेश की विकास यात्रा की सक्रिय भागीदार बनकर आत्मनिर्भरता की नई मिसाल पेश कर रही हैं। राज्य में 13 लाख 85 हजार से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। स्व-सहायता समूहों से जुड़कर हमारी बहनें विभिन्न आजीविका गतिविधियों के माध्यम से अपने परिवार की आर्थिक मजबूती का आधार बन रही हैं। उन्होंने कहा कि बदलते समय के साथ हमारी बहनें आधुनिक तकनीक को अपनाकर भी आगे बढ़ रही हैं। ड्रोन दीदियां आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए स्वरोजगार से जुड़कर प्रतिदिन 6 से 7 हजार रुपए तक की आय अर्जित कर रही हैं। कहीं महिलाएं सेंटरिंग प्लेट के व्यवसाय से जुड़ी हैं तो कहीं ई-रिक्शा चलाकर आत्मनिर्भर बन रही हैं। बस्तर से लेकर बिलासपुर तक हमारी माताएं-बहनें अपनी मेहनत, कौशल और आत्मविश्वास से सफलता की नई कहानियां लिख रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं को उद्यमिता और उद्योगों से जोड़ने के लिए भी विशेष प्रोत्साहन दे रही है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक श्री सुकांत राजपूत द्वारा ए.आर. प्रिंटर्स, निरंकारी फर्नीचर के पीछे, पंडरी रायपुर से मुद्रित एवं शहरसत्ता, एस-15 प्रियदर्शिनी नगर, सेक्टर 1, मातृ-पितृ छाया अपार्टमेंट, रायपुर (छ.ग.),
मोबाईल नं. 98271-81979, फोन नं. 0771-3158142, संपादक - सुकांत राजपूत (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार के लिए जिम्मेदार), महाप्रबंधक - प्रदीप चंद्रवंशी (मो. 70006-81023)। डाक पंजीयन - CG/RYP/DN/70/2025-27